राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण मंगलवार 07 मई 2024 वर्ष-7,अंक-103 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रज्वल के सेक्स टेप ने बदल दी कर्नाटक चुनाव की तस्वीर

लिंगायत बेल्ट में भाजपा को हो सकता है भारी नुकसान

बेंगलुरु (एजेंसी)। उत्तर कर्नाटक की 14 सीटों पर मतदान होना है। इसे लिंगायत समुदाय का गढ़ माना जाता है। यहां के लोगों ने अपमान का बदला लेने के लिए भाजपा को सत्ता से बाहर कर दिया है। राज्य में इस समुदाय की हिस्सेदारी 17 फ़ीसदी है। 2019 के लोकसभा चुनाव में सभी 14 सीटें भारतीय जनता पार्टी ने जीती थी। 2019 के लोकसभा चुनाव में कर्नाटक की 28 सीटों में से 25 सीटों पर भाजपा ने जीत हासिल की थी।

2024 के लोकसभा चुनाव में प्रज्वल के सेक्स टेप ने स्थिति को बुरी तरह से प्रभावित किया है। भारतीय जनता पार्टी ने लव जिहाद को बड़ा मुद्दा बनाया है। नाराज लिंगायत नेताओं को भी मानने की बहुत कोशिश की गई है।इसके बाद भी भाजपा के लिए यह चुनाव आसान नहीं रहा।

कांग्रेस अपनी पांच गारंटी के बलबूते लिंगायत समुदाय को साधने की कोशिश कर रही है।भाजपा के नेता ही भाजपा के लिए मुसीबत बनकर सामने आ रहे हैं। भाजपा ने इस बार कर्नाटक के 12 सांसदों के टिकट काट दिए हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के दामाद भी इसी क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं। भाजपा और कांग्रेस दोनों ने ही इस चुनाव में अपनी पूरी ताकत लगा दी है। इस चुनाव में भाजपा को सबसे बड़ा नुकसान प्रज्वल के सेक्स टेप से होने जा रहा है।

कर्नाटक में 2009 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को 2, भाजपा को 12 सीट प्राप्त हुई थी। 2014 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के पास तीन और भाजपा के पास 11 सीट थी 2019 के चुनाव में कांग्रेस को एक भी सीट पर विजय प्राप्त नहीं हुई थी। सभी 14 सीट भाजपा ने जीती थी। इस बार भी भाजपा ने इस क्षेत्र में चुनाव के लिए भारी मेहनत की थी। प्रज्वल के सेक्स टेप ने यहां पर भाजपा को बड़ा नुकसान पहुंचाया है। भारतीय जनता पार्टी को जनता दल के साथ गठबंधन करने का फायदा कम, नुकसान ज्यादा होते हुए दिख रहा है।

उद्धव को झटका, नासिक जिला प्रमुख अब शिंदे के साथ

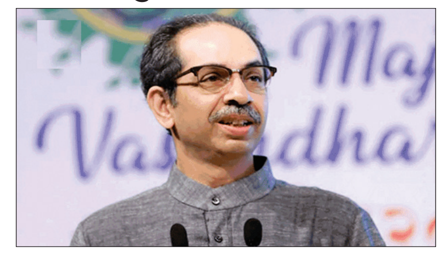

नासिक।महाराष्ट्र की राजनीति में कभी शिवसेना की तूती बोलती थी।आज दो हिस्सों में बंटने इस पार्टी का दबदबा कम होने लगा है। इसमें सबसे ज्यादा नुकसान उद्धव ठाकरे की पार्टी शिवसेना (यूबीटी) को होता दिखाई दे रहा है।कई नेताओं ने उद्धव ठाकरे का साथ छोड़ दिया है। अब पार्टी के नासिक जिला प्रमुख विजय करंजकर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की उपस्थिति में शिवसेना में शामिल हो गए। जानकारी के मुताबिक, विजय करंजकर को उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी ने टिकट देने से इनकार कर दिया था, इसलिए वो शिंदे गुट के साथ चले गए। नासिक में लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में 20 मई को मतदान होगा। इस बीच, तीसरे चरण का मतदान 7 मई को होना है। महाराष्ट्र में जिन सीटों पर 7 मई को मतदान होगा उनमें बारामती, रायगढ़, उस्मानाबाद, लातूर, सोलापुर, माधा, सांगली, सतारा, रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग, कोल्हापुर और हटकनंगले शामिल हैं। करंजकर लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के मतदान से एक दिन पहले शिवसेना (शिंदे गुट) में शामिल हुए।शिंदे सेना ने नासिक से मौजूदा सांसद हेमंत गोडसे को फिर से उम्मीदवार बनाया है। नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख 6 मई है।

बहुचर्चित इंटरनेशनल गोल्ड तस्कर जीतू सोनी... आखिरकर डीआरआई के कब्जे में

जयपुर। बहुचर्चित इंटरनेशनल गोल्ड तस्कर जीतू सोनी उर्फ जितेन्द्र सोनी आखिरकार पकड़ा गया है। राजस्व खुफिया निदेशालय ने जीतू को धरदबोचा है। तस्कर जीतू सोनी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मोस्ट वांटेड था। जीतू अब तक करीब 175 करोड़ रुपये के 250 किलो सोने की तस्करी कर चुका है। जीतू सोनी दुबई, मस्कट, रियाद और शारजहां जैसे खाड़ी देशों से सोने की तस्करी करता है। तस्करी के इस सोने को जीतू राजस्थान के शेखावाटी के सीकर, झुंझुनूं और फतेहपुर सहित जयपुर और मारवाड़ में खपाता है। जितेंद्र सोनी मूलत- सीकर का रहने वाला है। डीआरआई ने जीतू को पकड़ने के लिए विशेष ऑपरेशन चलाया था। जीतू की गिरफ्तारी डीआरआई के लिए बड़ी कामयाबी है।जीतू काफी समय से सोना तस्करी में सक्रिय है। वह लंबे समय से खुफिया एजेंसियों की रडार पर था। जांच के मुताबिक जीतू अन्य तस्करों के साथ मिलकर लगभग 150 करोड़ रुपये की कीमत के 250 किलो से ज्यादा सोने की तस्करी करवा चुका है। वह दुबई, मस्कट, शारजाह और रियाद जैसे अलग अलग खाड़ी देशों की तस्करी की सिंडिकेट में शामिल तस्करों से सोना खरीदता है।उसके बाद वह उस सोने को ज्वेलर्स को बेच देता है। जांच में सामने आया की सोना तस्कर जीतू सोनी की ओर से संचालित सिंडिकेट के सदस्यों द्वारा सीकर, चूरू और नागौर के गरीब मजदूरों को लालच देकर उन्हें कैरियर के रूप में इस्तेमाल करता है। अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से मलाशय में पेस्ट बनाकर या विभिन्न खुफिया तरीके से गोल्ड छिपाकर इंडिया लाया जाता है।

दिल्ली के बाद अहमदाबाद के 6 स्कूलों को मिली बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली । दिल्ली के स्कूलों को बम से उड़ाने की फर्जी धमकी के बाद अब अहमदाबाद में खलबली मच गई है। अहमदाबाद के आठ स्कूलों को धमकी भरे ईमेल मिले हैं, जिसमें बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। बताया जा रहा है कि एक रूसी हैंडलर द्वारा ही यह धमकी भरा मेल आया है। फिलहाल, अभी तक पुलिस की टीम को कोई आपत्तिजनक वस्तु नहीं मिली है। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं। अहमदाबाद प्रशासन ने अभिभावकों से पैनिक न होने की अपील कर कहा है कि खतरे की कोई बात नहीं है। बम निरोधी दस्ता भी मौके पर मौजूद है। अहमदाबाद पुलिस ने कहा, 'अहमदाबाद में कुछ स्कूलों को ईमेल से बम विस्फोट की धमकी मिली है। अब तक छह स्कूलों को इसतरह के ईमेल मिले हैं और उन्होंने हमें इस बारे में सूचित कर दिया है, यह कुछ दिन पहले दिल्ली के स्कूलों को मिली इसी तरह की धमकी जैसा मामला लगता है। उन्होंने कहा, 'हमारी प्रारंभिक जांच के अनुसार ईमेल भारत के बाहर से भेजा गया है। बता दें कि गुजरात की 25 लोकसभा सीट के लिए मंगलवार को मतदान होगा। बता दें कि इसी पैटर्न पर दिल्ली के स्कूलों को भी ईमेल मिले थे, जिसमें बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। दिल्ली के 100 से अधिक स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। हालांकि, यह बाद में फर्जी साबित हुआ।

के.कविता और सिसोदिया की याचिका खारिज.... अदालत ने कहा अभी राहत देना सही नहीं

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने कथित आबकारी घोटाले के संबंध में आप नेता मनीष सिसोदिया के बाद भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नेता के. कविता की जमानत याचिकाएं सोमवार को खारिज कर दीं। इन मामलों की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कर रहा है। सीबीआई और ईडी अदालत की विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने याचिकाएं खारिज कर कहा कि इस स्तर पर राहत देना सही नहीं है। कविता ईडी और सीबीआई द्वारा दर्ज मामलों में न्यायिक हिरासत में हैं। ईडी ने 15 मार्च को हैदराबाद में कविता (46) के बंजारा हिल्स स्थित आवास से उन्हें गिरफ्तार किया था और वह मामले में न्यायिक हिरासत में हैं।

सीबीआई ने उन्हें न्यायिक हिरासत से गिरफ्तार किया था। कविता पर दिल्ली आबकारी घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में शामिल होने का आरोप था। कविता और अन्य के खिलाफ मामला 2022 में शुरू हुआ था, जब केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा एक प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की गई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि दिल्ली में थोक और खुदरा शराब व्यापार के एकाधिकार और कार्टेलाइजेशन को सुविधाजनक बनाने के लिए 2021-22 की दिल्ली आबकारी नीति में हेरफेर किया गया था।

अमेरिका में भारतीय छात्रों को नहीं मिल रही है इंटर्नशिप

-विदेश की पढ़ाई महंगी हुई, नौकरी और नागरिकता भी अधर में

नई दिल्ली । भारत से अमेरिका में पढ़ाई के लिए जाने वाले छात्रों की पढ़ाई बहुत महंगी हो गई है। भारतीय छात्रों को अमेरिका में अब इंटर्नशिप भी नहीं मिल पा रही है। अमेरिका में बेरोजगारी बढ़ने, वैश्विक आर्थिक मंदी के चलते अब भारतीय छात्रों को वहां पर इंटर्नशिप नहीं मिल पा रही है। अमेरिका में महंगाई बढ़ने के कारण भारतीय छात्रों को वहां रहने और खाने-पीने का भी खर्च पहले की तुलना में काफी बढ़ गया है। नौकरी में भी स्थानीय लोगों को प्राथमिकता दी जा रही है।जिसके कारण भारतीय छात्रों की मुसीबतें दिनों दिन बढ़ती ही जा रही हैं। हार्वर्ड एवं येल यूनिवर्सिटी जैसे 8 आईवी लीग कॉलेजों के साथ अमेरिका की टॉप यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले भारतीय छात्रों को नौकरी नहीं मिल पा रही है। भारतीय युवा विदेश में नौकरी करना चाहते हैं। इस समय अमेरिका में 3 लाख से ज्यादा भारतीय छात्र पढ़ाई कर रहे हैं। भारतीय छात्र अमेरिका ब्रिटेन और कनाडा में बड़ी संख्या में जा रहे हैं। भारतीय छात्र विदेश में नौकरी के बेहतर अवसर, अच्छा वेतन, अच्छा अनुभव, क्वालिटी लाइफ, विदेशी नागरिकता और अच्छी स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर विदेश में पढ़ाई करके वही नौकरी करना चाहते हैं। वहीं के नागरिक बनना चाहते हैं। अमेरिका और ब्रिटेन में अब भारतीय छात्रों को जिस तरह की सुविधा पहले मिल रही थी। अब वह नहीं मिल पा रही है। वैश्विक स्तर पर महंगाई बढ़ने और बेरोजगारी के कारण छात्रों को पार्ट टाइम काम भी नहीं मिल पा रहा है।जिसके कारण अमेरिका ब्रिटेन में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को ज्यादा पैसा खर्च करना पड़ रहा है। ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, कनाडा, जर्मनी, ब्रिटेन भारतीय छात्रों के पसंदीदा देश है।लंदन भारतीय छात्रों की शीर्ष प्राथमिकता में है। लेकिन पिछले कुछ महीनो में यहां की स्थिति भी भारतीय छात्रों के अनुकूल नहीं रही।

सेना ने जारी किए दो पाकिस्तानी आतंकवादियों के स्केच

-जानकारी देने वाले को 20 लाख का इनाम

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों ने पिछले हफ्ते पुंछ में आईएएफ के वाहन पर हमले को अंजाम देने वाले दो पाकिस्तानी आतंकवादियों के स्केच जारी किए हैं। सुरक्षा बलों ने उनकी गिरफ्तारी के लिए सूचना देने वाले को 20 लाख का इनाम देने की घोषणा की है। पुंछ में शाहसितार के पास आतंकवादियों ने भारतीय वायुसेना के काफिले पर हमला कर दिया, इसमें भारतीय वायुसेना (आईएएफ) के कॉर्पोरल विक्की पहाड़े की घात लगाकर हुए हमले में मौत हो गई और चार अन्य कर्मी घायल हो गए।

हमले के बाद से सशस्त्र बल शाहसितार इलाके में बड़ा तलाशी अभियान चला रहे हैं। उन्होंने आतंकवादियों का पता लगाने के लिए सशस्त्र बुलेटप्रूफ वाहनों और डॉग स्क्वॉड को लगाया है। अतिरिक्त महानिदेशक ने कहा कि 16 कोर के कोर कमांडर और एडीजी जम्मू जोन आनंद जैन ने जीओसी रोमियो फोर्स, आईजीपी सीआरपीएफ और डीआइजी आरपी रेंज के साथ सोमवार को इलाके का दौरा किया और चल रहे बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान की निगरानी की। कई संदिग्धों को पूछताछ के लिए उठाया गया है।

विक्की पहाड़े अपनी बहन की शादी के लिए लंबी छुट्टी के बाद, मौत से 15 दिन पहले काम पर शामिल हुए थे। वे जम्मू-कश्मीर में तैनात थे। पहाड़े मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा के नोनिया करबल इलाके के रहने वाले थे। वह 2011 में आईएएफ में शामिल हुए। उनके परिवार में उनकी पत्नी रीना और बेटा हार्दिक हैं।

प्रियंका ने संभाली रायबरेली-अमेठी की कमान, दो पूर्व मुख्यमंत्रियों को बनाया गया पर्यवेक्षक

लखनऊ।(एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी अमेठी और रायबरेली की सीट हर हाल में अपने पास बनाए रखना चाहती है। इसके लिए दोनों ही सीटों पर प्रियंका गांधी अपनी 40 सदस्यीय टीम के साथ काम पर लगी हुई हैं। इसके तहत वह घर-घर में दस्तक देंगी और नुक्कड़ सभाएं करेंगी। वहीं, कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को अमेठी लोकसभा सीट पर व छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को रायबरेली सीट की जिम्मेदारी देते हुए पर्यवेक्षक तैनात किया है। रायबरेली सीट पर राहुल गांधी प्रत्याशी हैं जबकि अमेठी सीट पर गांधी परिवार के करीबी रहे किशोरी लाल शर्मा को उम्मीदवार बनाया गया है। लंबे समय तक चली रस्साकशी के बाद गांधी परिवार ने अंतिम दिन रायबरेली से राहुल गांधी और अमेठी से केएल शर्मा को चुनाव लड़ाने का फैसला लिया था। नामांकन के वक्त सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी, राबर्ट वाड्रा ने भी राहुल के नामांकन में शामिल होकर एकजुटता का संदेश दिया था। इन दोनों सीटों की कमान प्रियंका गांधी को सौंपी गई है। पार्टी की ओर से अभी तक अधिकृत कार्यक्रम जारी नहीं किया गया है, लेकिन प्रियंका गांधी की 40 सदस्यी टीम रायबरेली पहुंच गई है। यह टीम प्रियंका के चुनाव प्रचार की रणनीति तैयार कर रही।

सूत्रों के मुताबिक प्रियंका गांधी सामाजिक न्याय के मुद्दे को आक्रामक तरीके से उठाएंगी। इसके लिए प्रदेशभर से डाटा इकट्ठा किए गए हैं। वह करीब ढाई सौ नुक्कड़ सभा करेंगी। इन सभाओं में स्थानीय मुद्दे भी होंगे और मंच पर मौजूद लोगों को सामाजिक समीकरण की दृष्टि से रखा जाएगा। सूत्रों का यह भी दावा है कि टीम की ओर से तैयार किए गए रोडमैप के तहत वह कुछ इलाके में घर-घर जनसंपर्क करेंगी। इस बीच स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों और दशकों से गांधी परिवार के साथ पारिवारिक संबंध रखने वाले लोगों के घर तक जाएंगी। उनके ठहरने के लिए रायबरेली के एक गेस्ट हाउस में इंतजाम किया जा रहा है।

सूत्रों के मुताबिक प्रियंका रायबरेली और अमेठी के बूथवार निगरानी करेंगी। इसके लिए पार्टी की ओर से उनकी टीम को दोनों लोकसभा क्षेत्र की कमेटियों की सूची रविवार को सौंप दी गई है। प्रदेश मुख्यालय से सभी कमेटियों को अलर्ट रहने का भी संदेश दिया गया है। वह सोशल मीडिया अभियान पर भी नज़र रखेंगी। उनकी टीम में कई ऐसे विशेषज्ञ भी शामिल हैं, जो फ़ेसबुक, ट्विटर, इंट्राग्राम और व्हाट्स एप पर नजर रखते हुए उनके संचालन के लिए रणनीति तैयार करेंगे। यह रणनीति प्रियंका गांधी के निर्देश के तहत बनेगी। चुनाव के दौरान प्रियंका गांधी अलग-अलग संगठनों के लोगों से संवाद करेंगी। इसके लिए रायबरेली और अमेठी के विभिन्न सामाजिक संगठनों की सूची भी इकट्ठा की गई है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक प्रियंका गांधी रायबरेली से ही अन्य राज्यों में कुछ समय के लिए चुनाव प्रचार के लिए जा सकती हैं। वह यहां से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट जैसे नेताओं के निरंतर संपर्क में रहते हुए चुनाव अभियान का संचालन करेंगी।

पार्टी के रणनीतिकारों की मानें तो प्रियंका गांधी के रायबरेली में रुकने की कई वजह है। वह यहां रुककर रिश्तों की दुहाई देंगी और इसके जरिए सियासी धार को मजबूत करेंगी। ऐतिहासिक तथ्य देखें तो 1952 से 62 तक फिरोज गांधी, 1962 से 1967 तक आरपी सिंह और फिर पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने यहां से रिश्ते मजबूत किए। बीच में एक दौर ऐसा भी आया कि पारिवारिक नजदीकी लोगों को रायबरेली की कमान मिली, लेकिन 1999 में सोनिया गांधी ने फिर इस क्षेत्र की कमान संभाल ली।

महिला पावर में आती है.... तब पुरुषों को दिक्कत होती : कंगना

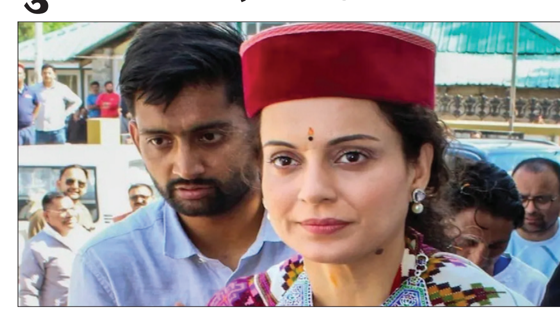

देहरादून (एजेंसी)। मंडी लोकसभा सीट से बीजेपी उम्मीदवार अभिनेत्री कंगना रनौत ने एक इंटरव्यू में राजनीति और अपने फिल्मी करियर से जुड़े तमाम मुद्दों पर बात की। कंगना ने बताया कि हम अक्सर राजनीति को न्यूज में देखते थे लेकिन अब हकीकत से रूबरू हो रहे हैं। कंगना ने बताया कि शुरुआत में मेरे साथ में दिक्कत आई.. शुरू में नए लोगों से मिलना, नए चीजें मिलना था.. धीरे धीरे चीजें समझ में आ रही है।

कंगना ने कहा, आज हिमाचल विधानसभा की राजनीति में आपको महज एक महिला नजर आती हैं। यहां 68 सीटें हैं। जब हमारा 33 प्रतिशत वाला आरक्षण लागू होगा तब यहां महिलाओं की संख्या 22 हो जाएगी, वहां बहुत बड़ी संख्या होगी। लेकिन अभी एक है और वहां भी बहुत बड़े राजनेता की पत्नी, एक रानी, एक प्रोटेक्टिव वातावरण में रहने वाली महिला है। कंगना ने कहा, जब महिला पावर की पोजिशन पर आती हैं, तब पुरुषों को अक्सर क्यों दिक्कत होती है? मुझे लगता है कि महिला को अक्सर माता के रूप में जो आपमें कुछ बुरा देखती ही नहीं है, के रूप में देखा जाता है...या बहन देखी होती है जो हमेशा आपको सपोर्ट करती हैं, या पत्नी, जो हमेशा आपको कंफर्ट करती है... लेकिन जब एक महिला एक बॉस के रूप में आपके सामने होती है, चाहे वहां किसी कॉरपोरेट कंपनी की सीईओ हो या आपकी कलीग हो, या राजनीति में हो, तब आपको लगता है कि यहां कुछ गलत है। कुछ गलत हो रहा है क्योंकि आपको लगता है कि महिला का अलग रोल है।

परिवारवाद पर कंगना ने कहा, मुझे लगता है कि परिवावारवाद को हमने केवल फिल्मों और राजनीति तक सीमित कर दिया है लेकिन इस हमें इसके इतर भी देखना चाहि। यह कई जगह पर है... आज पूरा मंडी मेरा परिवार है।

मायावती पर अपमानजनक बयान... शिवपाल यादव के खिलाफ मामला दर्ज

लखनऊ (एजेंसी)।उत्तर प्रदेश पुलिस ने कहा कि बसपा प्रमुख और पूर्व सीएम मायावती के खिलाफ कथित रूप से अपमानजनक बयान देने के लिए समाजवादी पार्टी के नेता शिवपाल यादव के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने बताया कि बसपा नेता राम प्रकाश त्यागी की शिकायत पर शिवपाल के खिलाफ सिविल लाइंस पुलिस स्टेशन में प्राथमिकी दर्ज की गई।

शिवपाल के बेटे आदित्य यादव बदायूं से सपा के उम्मीदवार हैं, जहां मंगलवार को मतदान होगा। अपनी शिकायत में, त्यागी ने आरोप लगाया कि 3 मई को उन्होंने एक वीडियो देखा जिसमें सपा नेता यादव ने मायावती के खिलाफ अशोभनीय और आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया। त्यागी ने राष्ट्रीय महिला आयोग और राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग से मामले का संज्ञान लेने का आग्रह किया। लोकसभा चुनाव 2024 में बदायूं लोकसभा सीट पर एनडीए, इंडिया ब्लॉक और बीएसपी के बीच त्रिकोणीय मुकाबला होगा। बीजेपी ने अपनी मौजूदा सांसद संघमित्रा मौर्य की जगह दुर्विजय सिंह शाक्य को मैदान में उतारा है, जिनका मुकाबला शिवपाल के बेटे और समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार आदित्य यादव और बीएसपी के मुस्लिम खान से है। इस निर्वाचन क्षेत्र में 7 मई को तीसरे चरण में मतदान होगा। वोटों की गिनती 4 जून को होगी।

दिल्ली में गर्मी का सितम शुरू, 41 के पार पहुंचा तापमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस सीजन में रविवार दिल्ली का सबसे गरम दिन रहा। 5 मई को यहां का अधिकतम तापमान सामान्य से दो डिग्री अधिक 41.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह राष्ट्रीय राजधानी में इस गर्मी में अब तक दर्ज किया गया सबसे अधिक तापमान था। देश की राजधानी दिल्ली में अब मई वाली गर्मी शुरू हो गई है और फिलहाल इस मौसम में किसी राहत के कोई आसार नहीं हैं। आईएमडी ने अभी लू पर कोई अपडेट नहीं दिया है लेकिन अब गर्म हवाओं का एहसास होने लगा है। मौसम विभाग की मानें तो बिहार, ओडिशा, विदर्भ, गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, रायलसीमा, तेलंगाना, तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक के कुछ हिस्सों में भीषण लू की चेतावनी जारी की गई है। वहीं गंगीय पश्चिम बंगाल में आंधी के साथ भारी बारिश होने का अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा असम और मेघालय में भारी बारिश होने का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।मौसम पूर्वानुमान एजेंसी स्काईमेट के मुताबिक, पूर्वोत्तर भारत में हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटे) चलने की उम्मीद है।

मई के महीने में गर्मी की तपिश इतनी बढ़ गई है कि लोगों का घर से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है। हालांकि, देश के कुछ हिस्सों में बारिश होने से मौसम में नरमी बनी हुई है। लेकिन देश की राजधानी दिल्ली में गर्मी का सितम शुरू हो गया है। दिल्ली में 8 मई तक आसमान साफ रहेगा यानी चिलचिलाती धूप परेशान करेगी और पारा 42 डिग्री तक पहुंच सकता है। 9 मई को राजधानी में बारिश होने के आसार जताए गए हैं लेकिन ये मामूली बारिश होगी। आईएमडी के मुताबिक, इस पूरे हफ्ते दिल्ली का अधिकतम तापमान 41 से 42 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। वहीं न्यूनतम तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। गंगीय पश्चिम बंगाल में 7 और 8 मई को छिटपुट भारी वर्षा हो सकती है, जबकि 7 और 10 मई के बीच पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड में गरज और बिजली के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। वहीं 9 मई तक ओडिशा, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, विदर्भ, दक्षिण-पूर्व मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में गरज और बिजली के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। गंगा के तटवर्ती पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों और तटीय आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, झारखंड और तमिलनाडु में 1 या 2 स्थानों पर लू की स्थिति संभव है।

चीन से बातचीत डिसइंगेजमेंट की नहीं पेट्रोलिंग को लेकर है: जयशंकर

- अब तक हो चुके हैं 7 करोड़ से ज्यादा बैन

नई दिल्ली (एजेंसी)। मेटा के स्वामित्व वाली कंपनी व्हाट्सऐप ने अपनी मंथली पोस्ट करते हुए लिखा कि +91 से शुरू होने वाले 7 करोड़ से ज्यादा मोबाइल नंबर को व्हाट्सऐप से बैन कर दिया गया है। दुनिया के चौथे सबसे अमीर उद्योगपति मार्क जुकरबर्ग की कंपनी व्हाट्सऐप ने बताया कि उसने 1 जनवरी से लेकर 31 मार्च 2024 के बीच 7,954,000 अकाउंट को बैन कर दिया है।

इनमें से 1,43,000 अकाउंट को यूजर्स की तरफ से कोई रिपोर्ट मिलने से पहले ही सक्रिय रूप से बैन कर दिया गया। जनवरी 2024 में जारी मंथली रिपोर्ट में बताया गया था कि व्हाट्सऐप ने 1 जनवरी 2023 से लेकर 31 नवंबर 2023 तक कुल 69,307,254 अकाउंट पर प्रतिबंध लगा दिया था। दिसंबर के आंकड़ों वाली एक और रिपोर्ट आने का अभी इंतजार है। सोशल मीडिया कंपनी का प्रतिबंध करने का यह आंकड़ा 7 करोड़ के आंकड़े को पार कर जाएगा। कंपनी ने कहा कि लोकसभा चुनावों के मद्देनजर वह सूचना प्रौद्योगिकी (इंटरमीडिएरी गाइडलाइन्स और डिजिटल मीडिया एथिक्स कोड) नियम, 2021 के नियम 4(1)(डी) (आईटी नियम, 2021) का पालन करने के लिए धोखाधड़ी और अवैध टेलीमार्केटिंग की सभी रिपोर्टों की 'सक्रिय रूप से जांच' कर रहा है। इसके अलावा व्हाट्सएप ने शिकायतों के आधार पर कई अकाउंट्स पर प्रतिबंध लगाया जो किसी न किसी रूप में कानूनी उल्लंघन कर रहे थे, या व्हाट्सऐप के नियमों का उल्लंघन कर रहे थे।

कंपनी ने कहा कि उसे भारत सरकार की शिकायत अपीलीय समिति से भी कई अकाउंट्स को बैन करने का आदेश मिला, जिसके बाद कंपनी ने उन्हें बैन कर दिया। अगर आपको भी इस बात का डर सता रहा है कि कहीं आपका अकाउंट न बैन कर दिया जाए तो डरने की कोई जरूरत नहीं है। अगर आप व्हाट्सऐप और भारत के आईटी नियमों को फॉलो करते हैं तो आपको इससे कोई समस्या नहीं होने वाली है। आपको नीचे बताई गई कुछ बातों का ध्यान देना होगाव्हाट्सऐप का कहना है कि यह प्लेटफॉर्म प्राइवेट मैसेजिंग ऐप है। यानी आप जिसे पहले से जानते हैं उनसे ही बातचीत करें। कभी भी आपको कोई ऐसा मैसेज आता है जो संदेहास्पद है तो बिलकुल जवाब न दें। अगर कोई मैसेज करके आपसे पैसे देने का फर्जी वादा करता है, आपको कोई लिंक भेजता है और कहता है कि क्लिक करते ही आपका काम बन जाएगा तो सावधान हो जाइये। ये आपके लिए काफी नुकसानदायक हो सकता है।

इसके अलावा, अगर आपको किसी अनजाने नंबर से फर्जी वीडियो या वाइस कॉल आती है तो रिसीव करने से बचें। ये फर्जी कालें होती हैं, जो आपको बुरी तरह से परेशान करती हैं। लालच में न पड़ें।अगर आपको ऐसे कोई मैसेज आते हैं तो व्हाट्सऐप पर ब्लॉक करने और रिपोर्ट करने का ऑप्शन होता है। तुरंत उसपर क्लिक करें और रिपोर्ट कर जानकारी दें। रिपोर्ट करते समय कई तरह की विकल्प के जरिये जानकारी मांगी जाती है, आपको जिस तरह का संदेह लगे, उसे रिपोर्ट में जरूर बताएं। आप किसी को मैसेज सेंड करने से पहले उसे वेरिफाई कर लें कि क्या वह सही है। उसमें कितनी सच्चाई है। बहकावे या आवेश में आकर बिलकुल मैसेज सेंड या फॉरवर्ड न करें। इसके अलावा भारत के डिजिटल कानूनों का पालन करें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

अंतरिक्ष में मुकाबला

दुनिया में लगभग पांच दशक बाद फिर वैज्ञानिक प्रतिद्वंद्विता साफ दिखने लगी है और दुनिया के ज्यादातर देशों ने समझ लिया है कि वास्तविक तरक्की के लिए वैज्ञानिक कुशलता बहुत जरूरी है। फिलहाल दुनिया में चीन वैज्ञानिक रूप से सबसे तेज तरक्की करता दिख रहा है। चीन ने शुक्रवार को अपनी तरह का पहला मिशन चांग-ई-6 अंतरिक्ष यान लॉन्च कर दिया। यह यान चंद्रमा पर दूसरी तरफ से मिट्टी या नमूने लेकर धरती पर लौटेगा। चीन राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रशासन (सीएनएसए) के लिए यह स्वर्णिम काल है, नाना प्रकार के प्रयोग हो रहे हैं और संयोग भी घटित हो रहे हैं। कुल मिलाकर, चीन अपनी पूरी चेष्टा में दुनिया को यह दिखा पा रहा है कि वह वैज्ञानिक रूप से भी अब दुनिया का अग्रणी देश बनने जा रहा है। चीन अच्छी तरह जानता है कि दुनिया में लंबे समय तक अमेरिकी बादशाहत विज्ञान की बदौलत ही चली है। नया चीनी यान चांद के उस दुर्लभ हिस्से से नमूने लाएगा, जहां से अमेरिका और रूस भी कुछ लाने में कामयाब नहीं हुए हैं। चांद के सामने वाले हिस्से से नमूने लाने का काम अमेरिका, रूस और चीन पहले कर चुके हैं। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर एक आधार बनाने की ओर बढ़ता चीन प्रशंसा का हकदार है। यही नहीं, बीते सप्ताह ही चीन ने तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन के लिए अपने अंतरिक्ष यात्रियों को रवाना किया है। चीनी अंतरिक्ष स्टेशन भी अपने आप में एक बड़ी कामयाबी है। वैज्ञानिकों के बीच अक्सर चर्चा होती है, जब अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से चीन को लाभ मिलना कम हुआ, तब चीन ने अपना अंतरिक्ष स्टेशन बना लिया। बीजिंग के नवीनतम मानव अंतरिक्ष यान मिशन शेनझोउ-18 के माध्यम से तीन अंतरिक्ष यात्री चीनी अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंच गए हैं और वहां पहले से मौजूद अंतरिक्ष यात्री वहां से लौटने वाले हैं। यह रोचक तथ्य है कि अंतरिक्ष स्टेशन पर एक जीवित मछली भी गई है, जिसे चौथा चालक दल सदस्य कहा जा रहा है। इस जेब्राफिश और शैवाल के जरिये परीक्षण किया जा रहा है, ताकि इंसानों को लंबे समय तक अंतरिक्ष में रहने में मदद मिल सके। अमेरिका बहुत हद तक अचंभित है, क्योंकि लगभग हर महीने चीन कुछ न कुछ अंतरिक्ष संबंधी शोध-परीक्षण लेकर सामने आ रहा है। अमेरिका ने बीजिंग के भू-राजनीतिक इरादों पर चिंता जताई है, जिसे नासा के प्रमुख ने एक नई अंतरिक्ष दौड़ या स्पेस रेस कहा है। चांग-ई-6 का प्रक्षेपण भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा अपने अगले चंद्रमा मिशन चंद्रयान-4 की योजना बनाने की चर्चा के बीच हुआ है। चंद्रयान-4 का मकसद भी चंद्रमा से नमूने लाना है। साल 2026 में जब चीन चांग-ई-7 का प्रक्षेपण करेगा, तब चंद्रयान-4 का भी प्रक्षेपण होगा। हालांकि, भारत को किसी भी प्रकार की होड़ में शामिल नहीं होना चाहिए। भारत की अपनी गति है, जिसे बढ़ाने के सतत प्रयास होते रहने चाहिए। योग्यतम भारतीय वैज्ञानिकों को इसरो में ही रुककर काम करना चाहिए। चीन की कामयाबी का राज यह है कि अब उसके योग्यतम वैज्ञानिक देश सेवा में लगे हुए हैं। अमेरिका से जैसी तकनीकी मदद चीन को तीन दशक तक मिली है, वैसी मदद भले अब न मिल रही हो, पर चीन को ज्यादा जरूरत भी नहीं है, तो क्या किया जाए? वैज्ञानिक प्रगति से किसी भी देश को रोका नहीं जा सकता, पर तरक्की करने वाले हर देश को दुनिया और इंसानियत के प्रति जिम्मेदार बनाने के प्रबंध होने चाहिए।

आज का राशिफल

मेष पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाई या पड़ोसी से तनाव मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आर्थिक तथा व्यावसायिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ की संभावना है।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कन्या जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।

वृश्चिक पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। वाद विवाद की स्थिति से बचें। आर्थिक योजना सफल होगी। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु व्यावसायिक तथा आर्थिक योजना फलीभूत होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। अनावश्यक खर्च का सामना करना पड़ सकता है। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किया गया परिश्रम सार्थक होंगे।

कुम्भ रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकतीहै। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। पराक्रम में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

गंगा-जमुनी संस्कृति पर चोट करते तल्खी के बोल

श्याम सरन

भारत की अपार विविधता इसकी मजबूत हकीकत है। कोई राजनीतिक दल, भले ही कितना ताकतवर और किसी विचारधारा विशेष से चालित हो, वह इसको एकांगी रंग में रंगने में सफल नहीं हो पाएगा। हमारी संस्कृति साझापन लिए है, लेकिन जोर साझेदारी के पहलू पर है न कि पालना में। यह चौरास्तों की संस्कृति है, जिसने हजारों सालों के दौरान विविध प्रभावों के सुमेल से वजूद पाया है। जहां भौगोलिक रूप से यह भूभाग थलीय काफिला-मार्गों का चौराहा है, जो मध्य एशिया से होकर आगे भूमध्य सागर तक जाते थे। वहीं इसके सुदूर दक्षिणी छोर के बंदरगाह हिंद महासागर के पूरबी और पश्चिमी छोरों को जोड़ने का काम करते रहे। जिस प्रकार भारतीय धर्म और राजनीतिक विचार, भाषाएं, कला और वास्तुकला का प्रवाह इस उप-महाद्वीप से निकल दूसरे देशों में फैला, ठीक इसी तरह उन मुल्कों का प्रभाव भी समस्त भारतवर्ष पर बना। नाना देशों से आई विविध खूबियां भारतीय संस्कृति और इसके लोगों के स्वभाव में रच-बस गईं और जन्मजात महानगरीय संस्कृति विरासत में मिलती गई, यह विशेषता भारतीयों को विश्वभर में सबसे अधिक अनुकूलनशील बनाती है। देखा जाए, हम संसार के मूल वैश्विक नागरिक हैं। जब भारत ने पिछले साल सितम्बर माह में जी-20 शिखर सम्मेलन आयोजित किया था तो इसका आदर्श वाक्य वसुधैव कुटुम्बकम ् था, जो हमारी इस खूबी को सबसे अच्छी तरह परिभाषित करता था। लेकिन किसी के लिए समस्त विश्व को गले लगाने की शुरुआत पहले अपने देश के लोगों को बांहों में भरने से होनी चाहिए। यह भी एक कारण है कि क्योंकर संविधान की पूर्व-प्रस्तावना में जितना अधिमान आज़ादी और समानता को दिया गया है उतना ही बंधुत्व को भी। भारत जैसे विविधता भरे मुल्क के लिए बंधुत्व की अहमियत खासतौर पर है। यह आपसी प्यार की भावना का निर्माण करता है जो विविध जातियों, प्रजातियों या सम्प्रदायों और उनकी जीवनशैली के बीच अंतर के प्रति एक-दूसरे को सहिष्णु बनाता है। यह बंधुत्व ही है जो हमारी राष्ट्रीयता की असल नींव है। यह साझा हित एवं साझा राष्ट्रीय मिशन का लक्ष्य पाने में संबद्धता एवं संलग्नता बनाता है। संविधान का स्वरूप बनाने वालों को पता था कि भारतीय राष्ट्रवाद का निर्माण इसके लोगों की बहुरंगी पहचान को मान्यता देकर होगा है न कि दबाकर। तथापि, अंतिम विश्लेषण में, वे पूरी तरह आश्वस्त न थे कि क्या भारतीय लोग अपनी अलग पहचान का संतुलन समान नागरिकता के अति महत्वपूर्ण सिद्धांत से सही ढंग से बैठा पाएंगे या नहीं। अपने अंतिम (मौजूदा) रूप में आते-आते और समय-समय पर हुए संशोधनों और विधायिका द्वारा पारित कानून धीरे-धीरे राज्यसत्ता को नागरिक अधिकारों की एवज पर बलपूर्वक मनमर्जी चलाने की ताकत से लैस करते गए। राज्यसत्ता किन्हीं पहचान रखने वालों की निरंकुशता चलने देने और अन्यों के मामले में दमन करने वाला पक्षपाती रुख रखने लगी, वह जो मौके के मुताबिक राजनीतिक हित स्वार्थ साधने में सबसे उपयुक्त हो। किन्हीं विशेष पहचान वालों पर राष्ट्रीय एकता बनाए रखने की आड़ में दमन तो वहीं दूसरों (अपने लोगों) को राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के नाम पर प्रोत्साहित करना और यहां तक कि वैधता देना। राज्यसत्ता ने मीडिया और सूचना चैनलों पर नियंत्रण और प्रभाव बना लिया ताकि कुछ सम्प्रदायों को खलनायक तो अपने वाले को श्रेष्ठ बनाकर पेश किया जा सके। ऐसा होने पर, राजनीतिक भड़काऊ भाषण वक्त की रणनीति का पूरक बन जाते हैं। इस प्रकार के नफरती बोल अक्सर ऊंचे उन्मादी सुर में चिल्ला-चिल्ला कर कहे जाते हैं ताकि अन्य सभी तार्किक मुद्दे डूब जाएं। लोकतंत्र में, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव करवाना एक अभिन्न अंग है, लेकिन यही काफी नहीं। एक स्वतंत्र मीडिया और एक जीवंत सिविल सोसायटी आम नागरिक के अधिकारों पर राज्यसत्ता के निरंकुश व्यवहार से रोकने में प्रहरी का काम करते हैं। वे नागरिकों की ओर से राज्यसत्ता से सवाल करते हैं और लोगों को सूचना का वैकल्पिक साधन मुहैया करवाते हैं। एक सशक्त और स्वतंत्र न्यायपालिका की भूमिका भी यही है। इतिहास में, ऐसे मामले हैं जब राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्रीय एकता की दलीलों का इस्तेमाल स्वतंत्र संस्थानों, विरोध का सुर उठाने वालों और अतंत: राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों पर राष्ट्रविरोधी होने का ठप्पा लगाकर, उन्हें गैर-कानूनी बनाने में किया गया। भारत अपने 18वें आम चुनाव के मतदान चरणों से गुजर रहा है।

यह गर्व की बात है कि विगत में देश हर पांच साल में अभूतपूर्व पैमाने के चुनाव सफलतापूर्वक संपन्न करवाता आया है और विजयी पक्ष को सत्ता का हस्तांतरण बिना हिंसा या चुनौती के निर्विघ्न होता रहा। एक स्वतंत्र चुनाव आयोग सुनिश्चित करता है कि तमाम राजनीतिक दल और राजनेता अपने चुनावी अभियानों में नियमों में बंधकर ही वोट मांगेंगे। उम्मीद की जाती है कि उम्मीदवार धर्म, जाति या समुदाय का इस्तेमाल वोटें पाने में नहीं करेंगे। परंतु मौजूदा चुनाव प्रचार में कुछ राजनीतिक दल और नेताओं के जहरीले बोल तमाम हदें लांघ रहे हैं। भाषणों में सरेआम संप्रदाय विशेष के नागरिकों के विरुद्ध अत्यंत असभ्य और लांछित करने वाले हमले हो रहे हैं। राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों पर बार-बार राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप उछाले जा रहे हैं। मतदाता को भ्रमित करने के लिए यह भ्रामक सूचना और सफेद झूठ की बनी धुंध बनाने जैसा है। कहने को वे वसुधैव कुटुम्बकम ् की बात करते हैं लेकिन फिर भी खुलेआम हमारे नाज़ुक सामाजिक ताने-बाने में खतरनाक दरारें पैदा कर रहे हैं। जैसा मैंने ऊपर भी लिखा और फिर से दोहरा रहा हूं— हिंदू-मुस्लिम रार डालकर स्थाई राष्ट्रीय एकता नहीं बनाई जा सकती। भारतीय अल्पसंख्यकों के खिलाफ आक्रामक और धमकी भरे भाषणों को महज चुनावी तेवर कहकर रफा-दफा करना आसान है, मान लेना कि चुनाव खत्म होने के बाद स्वयं भाप बनकर उड़कर जाएंगे, यह सच नहीं है। जो चोट और भय का माहौल पीछे छोड़ा जाएगा, वह चुनाव उपरांत लंबे समय तक सुलगता रहेगा। मुख से निकले बोल वापस नहीं आते। नुकसान हो चुका है। जैसा कि कविवर रहीम ने अपने मशहूर दोहे में कहा है : रहिमन जिव्हा बावरी, कह गई सुरग पातालज आपु तो कहीं भीतर रहे, जूती खाए कपाल। (अर्थात ् मेरी बेलगाम जुबान ने धरती से पाताल तक जितना झूठ बोल डाला, खुद तो मुख में छिपी रही, जूते खाने पड़े खोपड़ी को)। चुनावी बड़बोलापन सभ्य तरीके की हदों के भीतर बना रहे। राजनीतिक ताकत हासिल करने की कोशिशें नैतिकता की कीमत पर नहीं हो सकती, वर्ना यह हरकत देश और सामाजिक ताने-बाने को विघटन की खतरनाक राह पर धकेल देगी। यह सब अपने देश को लेकर गहन चिंता की भावना से लिखा जा रहा है, वह जिसकी अतुलनीय विविधताओं को अपने भीतर समाने और जीवंत लोकतंत्र की सततता बनाए रखने का सामर्थ्य पर हम नाज़ करते आए हैं और दुनिया ईर्ष्या। यह हमारा सबसे कीमती आभूषण है, जो सदियों में पाई विविध खूबियों के रत्नों से जड़ा है और अब सदा के लिए इसके खोने का खतरा मंडरा रहा है। यह वह खजाना है जो लुट-पिट गया तो कोई भावी विश्वगुरु दुबारा फिर इकट्ठा न कर पाएगा।

लेखक भारत के पूर्व विदेश सचिव हैं।

कांग्रेस की दिशाहीनता एवं बढ़ता पलायन

(लेखक - ललित गर्ग)

लोकसभा के चुनाव उग्र से उग्रतर होते जा रहे हैं, लोकतंत्र के महायज्ञ की 7 मई को आधी से ज्यादा आहुति पूरी होने वाली है, पहले चरण में 102 और दूसरे चरण में 88 सीटों पर मतदान हो चुका है। तीसरे चरण में 94 सीटों पर मतदान होने वाला है। इसके बाद 543 में से आधे से अधिक यानी 284 सीटों पर मतदान पूर्ण हो जाएगा। जैसे-जैसे चुनाव आगे बढ़ रहे हैं, कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ती जा रही है। भाजपा की ओर रुख करते नेताओं ने कांग्रेस की नींद उड़ा कर रख दी है। यह सिलसिला आगे भी जारी रहने वाला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर आक्रामक, तीक्ष्ण एवं तीखे आरोप लगाने वाली कांग्रेस पार्टी में लगातार हो रही टूट एवं पार्टी छोड़ने के कांग्रेसी नेताओं के सिलसिले को रोक नहीं पा रही है। इस बड़े संकट से बाहर निकलने का रास्ता कांग्रेस को नहीं सूझ रहा है। कांग्रेस के लिए लोकसभा चुनाव के दौरान सबसे बड़ा झटका इंदौर में लगा, जहां से पार्टी के उम्मीदवार अक्षय कांति बम ने नामांकन वापसी के अंतिम दिन मैदान ही छोड़ दिया और वो भाजपा में शामिल हो गए। इससे पहले विपक्षी दलों का गठबंधन 'इंडिया' को खजुराहो में झटका लगा था, जहां आपसी समझौते के चलते यह सीट समाजवादी पार्टी को दी गई थी। समाजवादी पार्टी की उम्मीदवार मीरा दीपक यादव का पर्चा निरस्त हो गया। इस तरह राज्य की 29 लोकसभा सीटों में से दो- खजुराहो और इंदौर ऐसी है जहां से कांग्रेस मुकाबले में ही नहीं है। कांग्रेस प्रवक्ता राधिका खेड़ा एवं दिल्ली के कांग्रेसी नेता अरविन्द सिंह लवली ने 'नाइंसाफी' के कारण पार्टी से इस्तीफा दिया है। लवली तो अपने अन्य साथियों के साथ भाजपा में शामिल हो गये हैं। पुरी से कांग्रेस प्रत्याशी सुचारिता महंती ने यह कहते हुए टिकट लौटा दिया कि पार्टी चुनाव लड़ने के लिए धन नहीं दे रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनके क्षेत्र में ओडिशा विधानसभा चुनावों के लिए कमजोर उम्मीदवार उतारे गए हैं। ऐसा प्रतीत होता है कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व में राजनीतिक अपरिपक्वता, दिशाहीनता एवं निर्णय-क्षमता का अभाव है। इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि कांग्रेस कई राज्यों में बेमन से चुनाव लड़ रही है। आज के परिदृश्यों में कांग्रेस अनेकों विरोधाभासों एवं विसंगतियों से भरी है। चुनाव प्रचार हो या उम्मीदवारों का चयन, राजनीतिक वायदें हो या चुनावी मुद्दें हर तरफ कांग्रेस कई विरोधाभासों से घिरी है। उसकी सारी नीतियों में, सारे निर्णयों में, व्यवहार में, कथन में विरोधाभास स्पष्ट परिलक्षित है। यही कारण है कि उसकी राजनीति में सत्य खोजने से भी नहीं मिलता। उसका व्यवहार दोगला हो गया है। दोहरे मापदण्ड अपनाने से उसकी हर नीति, हर निर्णय समाधानों से ज्यादा समस्याएं पैदा कर रही हैं। यही कारण है कि कांग्रेस नेताओं के पार्टी छोड़ने या फिर चुनाव लड़ने से इन्कार करने का सिलसिला खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। यह निर्णय क्षमता का अभाव ही है या हार का डर कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने क्रमश: अमेठी और रायबरेली से चुनाव लड़ने का निर्णय लेने में बड़ी कोताही बनती है। अब राहुल ने अमेठी में स्मृति ईरानी का सामना करने में स्वयं को अक्षम पाया तो रायबरेली से नामांकन पत्र दाखिल कर दिया और प्रियंका एक बार फिर चुनाव लड़ने से दूर ठिठक गईं। राहुल गांधी का अमेठी के बजाय रायबरेली से चुनाव लड़ना भी कांग्रेस की दिशाहीनता का सूचक है। यह हास्यास्पद है कि गांधी परिवार के करीबी एवं चाटुकार कांग्रेस नेता राहुल के अमेठी से चुनाव न लड़ने के फैसले को यह कहकर बड़ी राजनीति जीत बता रहे हैं कि पार्टी ने स्मृति इरानी का महत्व कम कर दिया। क्या सच यह नहीं कि कांग्रेस ने अमेठी से स्मृति इरानी की जीत सुनिश्चित करने का काम किया है? राहुल गांधी का दो-दो सीटों से का चुनाव लड़ना भी यह दर्शाता है कि दोनों में से एक सीट पर तो वे जीत हासिल कर ही लेंगे। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 का सेक्शन 33 प्रत्याशियों को अधिकतम दो सीटों से चुनाव लड़ने की अनुमति भी देता है। देश में लोकतंत्र की जड़ें लगातार मजबूत हो रही हैं। ऐसे में नेताओं के एक से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ने को लेकर विसंगतियां भी सामने आ रही हैं। विमर्श इस बात पर हो रहा है कि जब एक व्यक्ति को एक वोट का अधिकार है तो प्रत्याशी को दो सीटों पर चुनाव लड़ने की अनुमति क्यों होनी चाहिए? नेता अपने राजनीतिक हितों के लिए एक साथ दो सीटों पर चुनाव लड़ते हैं और दोनों सीटों पर चुनाव जीतने की स्थिति में अपनी सुविधानुसार एक सीट से इस्तीफा दे देते हैं। कानूनी रूप से उनके लिए ऐसा करना जरूरी भी है। फिर उस सीट पर उपचुनाव होता है। इसमें न सिर्फ करदाताओं का पैसा खर्च होता है बल्कि उस क्षेत्र के मतदाता भी ठगा हुआ महसूस करते हैं। इस बात की पड़ताल जरूरी है कि दो सीटों से चुनाव लड़कर राहुल गांधी भारतीय लोकतंत्र को मजबूत कर रहे हैं या इस व्यवस्था से सिर्फ अपने राजनीतिक हित साध रहे हैं? भले ही राहुल गांधी चुनाव प्रचार के दौरान बेहद आक्रामक दिख रहे हों, लेकिन वह अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं में जोश नहीं भर पा रहे हैं। इसका एक कारण गठबंधन के नाम पर अपने पुराने मजबूत गढ़ों में भी अपनी राजनीतिक जमीन छोड़ना है। यह कांग्रेस ही लगातार कमजोर होती राजनीति ही है कि वह जीत की संभावना वाली सीटों को भी महागठबंधन के अन्य दलों को दे रही है। ऐसे ही निर्णयों के चलते कांग्रेसजनों के लिए भी यह समझना कठिन है कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी से समझौता करने से पार्टी को क्या हासिल होने वाला है? इस बार गांधी परिवार दिल्ली में उस आम आदमी पार्टी के प्रत्याशियों को बोट देगा, जिसने उसे रसातल में पहुंचाया। इस तरह के मामले केवल यही नहीं बताते कि कांग्रेस उपयुक्त प्रत्याशियों का चयन करने में नाकाम है, बल्कि यह भी इंगित करते हैं कि उसके पास अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने और अपने कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार करने की कोई ठोस रणनीति नहीं है। कांग्रेस की नीति एवं नियत भी संदेह के घेरों में हैं। क्या कारण है कि पड़ोसी देश पाकिस्तान के नेता अब दुआ कर रहे हैं कि कांग्रेस का 'शहजादा' भारत का प्रधानमंत्री बने। दुश्मन राष्ट्र के नेता अगर किसी व्यक्ति या नेता के प्रधानमंत्री बनने की कामना करते हैं तो निश्चित ही उस देश का हित जुड़ा होता है। पड़ोसी देश भले ही राहुल गांधी को प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहता हो लेकिन भारत की जनता अपने हितों की रक्षा करते हुए विवेकपूर्ण मतदान के लिये तत्पर है।

भारत मजबूत प्रधानमंत्री वाला मजबूत देश चाहता है। नए भारत के 'सर्जिकल और एयर स्ट्राइक' ने उस पाकिस्तान को हिलाकर रख दिया था जिसे कांग्रेस शासन के दौरान भारत पर आतंकी हमलों का समर्थन करने के लिए जाना जाता था। कांग्रेस ने बहुसंख्यक समुदाय की भावनाओं को नजरअंदाज करते हुए मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति की है, उसी का परिणाम है कि जिसने 500 वर्षों तक पीढ़ियों के संघर्ष के बाद बने प्रभु श्रीराम मंदिर के उद्घाटन समारोह एवं मन्दिर से कांग्रेस दूरी बनाये रखी

विचार मंथन

क्यों घट रहा है मतदान का प्रतिशत?

(लेखक- सनत जैन)

2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में मतदाताओं को मतदान करने के लिए मतदान केंद्र तक ले जाने में सबसे बड़ी भूमिका, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अनुवांशिक संगठन और भाजपा संगठन की रही है। इस कारण 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में हर बार से ज्यादा मतदान हुआ। 2024 में यह स्थिति बदली हुई दिख रही है। इसका मुख्य कारण, भाजपा संगठन और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अनुवांशिक संगठन के कार्यकर्ता इस बार निष्क्रिय नजर आ रहे हैं। निष्क्रियता का एक बड़ा कारण भारतीय जनता पार्टी में अन्य दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं को शामिल किया जाना है। दरअसल 2024 लोकसभा चुनाव के पहले ओर लोकसभा चुनाव के दौरान जिस तरह से अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं को भाजपा में प्रवेश दिया जा रहा है, उसके कारण भाजपा संगठन और आनुवंशिक संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता हैरान हैं। अन्य दलों से आए नेताओं और कार्यकर्ताओं का भाजपा की विचारधारा से कोई लगाव नहीं होता है। इसके बाद भी बाहर से आए हुए नेताओं को महत्वपूर्ण पदों से नवाजा जा रहा है। भाजपा के लिए अब सत्ता ही एक विचारधारा बनकर रह गई है। भाजपा में बाहर से आए हुए अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं पर आरोप है कि वो अपने साथ गंदगी लेकर आ रहे हैं। इस कारण संगठन के नेता और कार्यकर्ता मायूस होकर घर बैठ गए हैं। पिछले 10 वर्षों में भाजपा संगठन को पूरी तरह से प्रोफेशनल कंपनी की तरह संचालित किया जा रहा है। जो भाजपा के नेता सत्ता की कुर्सी पर विराजमान हैं। उनका भाजपा संगठन के साथ कोई लगाव नहीं रहा है। जब चुनाव आते हैं, तब पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं को एकत्रित कर रैली, जनसभाओं में भीड़ लाने की जिम्मेदारी सौंपी जाती है। इसके लिए केंद्रीय स्तर पर बाकायदा भुगतान भी किया जाता है। दूसरी तरफ भाजपा संगठन और संघ के निष्ठावान कार्यकर्ता और प्रचारक हैं जो लगातार उपेक्षा का शिकार हो रहे है। उनसे केवल बंधुआ मजदूर की तरह काम लिया जाता है। अपने ही संगठन में वह उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। उन्हें ऐसा लगता है, कि जिस विचारधारा के साथ जुड़कर वह कई पीढियों से संघ और भाजपा को सेवाएं देते आ रहे हैं। उस पर अब प्रोफेशनल का कब्जा हो गया है। सत्ता का लाभ उन्हें ही मिल रहा है। ऐसी स्थिति में वह कोई विरोध तो नहीं कर रहे हैं, लेकिन मतदाताओं से संपर्क रखने और मतदाताओं को मतदान केंद्र तक पहुंचाने के काम में अब उनकी कोई रुचि नहीं रह गई है।

देशभर में भाजपा के 10 लाख से अधिक पदाधिकारी, जिनमें संभागीय जिला, ब्लॉक के पदाधिकारी, पन्ना प्रमुख चुनाव कार्य से प्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए हैं। यही वर्ग सबसे ज्यादा इस बात से नाराज है, कि बाहर से इतने सारे नेताओं को उनके सिर पर लाकर क्यों बैठाया जा रहा है। इसी तरह से अनुवांशिक संगठनों से जुड़े हुए पदाधिकारी और प्रचारक भी शांत होकर इस चुनाव में कोई रुचि नहीं ले रहे हैं। पश्चिम बंगाल और केरल में कम्युनिस्ट पार्टी का एक संगठन काम करता है। कांग्रेस का संगठन देशभर में निष्प्रभावी होकर रह गया है। जिन राज्यों में क्षेत्रीय दलों की सरकारें हैं, उनका नेटवर्क जरूर मजबूत है। देश के सभी राज्यों में 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में मतदाताओं को मतदान केंद्र तक पहुंचाने में सबसे बड़ी भूमिका भाजपा संगठन और संघ के अनुवांशिक संगठनों की रही है। उसमें निराशा का भाव आ गया है। बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और महंगाई का जवाब कार्यकर्ताओं के पास नहीं है। मतदान कम होने से सबसे ज्यादा नुकसान भाजपा को ही होता हुआ दिख रहा है। हाल ही में लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने कार्यकर्ताओं की इस व्यथा को खुलकर बताया है। उनका कहना था, इंदौर में जिस तरह से कांग्रेस उम्मीदवार को भाजपा में प्रवेश दिया गया है। उसकी कोई जरूरत नहीं थी। इंदौर में भाजपा उम्मीदवार आसानी से चुनाव जीत रहा था। भाजपा और संघ से जुड़े अनुवांशिक संगठनों के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं के फोन उनके पास आ रहे हैं। वह कह रहे हैं, हमारे पास नोटा को वोट देने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। भाजपा संगठन में जिस तरह से कांग्रेस के लोगों को लाया जा रहा है। इसका विरोध करने के लिए नोटा के अलावा और किसी को वोट तो दे नहीं सकते हैं। भाजपा संगठन को ताई की बात को समझना होगा। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को दौहरा नुकसान होने जा रहा है। भाजपा से जुड़े निष्ठावान कार्यकर्ता यदि नोटा में वोट देते हैं, तो भाजपा के उम्मीदवार का नुकसान है। आसपास के जो वोट निकालकर मतदान केद्रो तक ले जाते थे, निराशा में होने के लिए वह खुद तो वोट डाल रहे हैं। मतदाता को मतदान केंद्र तक ले जाने की जहमत नहीं उठा रहे हैं। गर्मी और खेती किसानी के कारण मतदाता अपने घरों से नहीं निकल रहा है। भाजपा के कार्यकर्ता भी चुप्पी साधकर बैठ गए हैं। अभी तीसरे चरण के चुनाव होने जा रहे हैं। चार चरणों के चुनाव और बाकी हैं।

सऊदी अरब के एक फैसले से कच्चा तेल हुआ महंगा

मुंबई । सऊदी अरब के एक फैसले के बाद वै श्विक बाजारों में कच्चे तेल के महंगे होने के आसार बढ़ गए हैं। सोमवार को भी क्रूड ऑयल की कीमतों में तेजी देखी जा रही है। दरअसल सऊदी अरब ने ज्यादातर क्षेत्रों के लिए जून में कच्चे तेल की कीमत बढ़ाने का निर्णय लिया है। इसके बाद सोमवार को तेल वायदा में तेजी आई और गाजा युद्धविराम समझौते की संभावना भी कम दिखाई दे रही है। इससे यह आशंका फिर से बढ़ गई कि प्रमुख तेल उत्पादक क्षेत्र में इजरायल-हमास संघर्ष अभी भी बढ़ सकता है। सऊदी अरब के इस तिमाही में ऑयल सप्लाई में कमी के बीच अधिकांश क्षेत्रों के लिए जून ओएसपी बढ़ाने के बाद तेल के दाम ऊपर जाने तय लग रहे हैं। वै श्विक बाजार में कच्चे तेल के भाव सोमवार को उछाल के साथ कारोबार कर रहे हैं। डब्ल्यूटीआई क्रूड 0.31 फीसदी चढ़कर 78.85 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है जबकि ब्रेंट क्रूड 0.24 फीसदी चढ़कर 83.16 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। सऊदी अरब ने जून में एशिया, उत्तर-पश्चिमी यूरोप और भूमध्य सागर में बेचे जाने वाले अपने कच्चे तेल की आधिकारिक बिक्री कीमतें बढ़ा दीं, जो इस गर्मी में मजबूत मांग की उम्मीद का संकेत है। इसी का असर है कि जियो-पॉलिटिकल टेंशन कम होने पिछले हफ्ते 7.3 फीसदी से थोड़ी ज्यादा गिरावट के बाद, आईसीई ब्रेंट ने मजबूत स्तर पर नए कारोबारी सप्ताह की शुरुआत की है।पिछले हफ्ते दोनों कच्चे तेल के दोनों कॉन्ट्रेक्ट्स में तीन महीने में अपना सबसे बड़ा साप्ताहिक घाटा दर्ज किया था। इसमें ब्रेंट 7 फीसदी से ज्यादा गिर गया और डब्ल्यूटीआई 6.8 फीसदी लुढ़का था।

भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि मार्च में 14 वर्ष के उच्चतम स्तर पर: पीएमआई

नई दिल्ली । भारत में सेवा क्षेत्र की गतिविधियां अनुकूल आर्थिक परिस्थितियों और मजबूत मांग के दम पर अप्रैल में 14 वर्ष के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं। एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई है। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया भारत सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक मार्च में 61.2 थी जो अप्रैल में गिरकर 60.8 हो गई। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम अंक का आशय संकुचन से होता है। एचएसबीसी के एक अर्थशास्त्री ने कहा कि अप्रैल में भारत की सेवा गतिविधियों में थोड़ी धीमी गति से वृद्धि हुई, जिसे घरेलू मांग में उल्लेखनीय मजबूती के साथ नए ठेकों और वृद्धि का समर्थन मिला। घरेलू मांग में तेजी के अलावा कंपनियों ने दुनिया के कई हिस्सों से नए कारोबारी लाभ का भी उल्लेख किया जिसने सामूहिक रूप से सितंबर 2014 में श्रृंखला शुरू होने के बाद से अंतरराष्ट्रीय बिक्री में दूसरी सबसे तेज वृद्धि को बल दिया। इस बीच एचएसबीसी इंडिया कंपोजिट पीएमआई आउटपुट इंडेक्स अप्रैल में 61.5 रहा जो मार्च में 61.8 था। यह 14 वर्षों में दूसरे सबसे मजबूत उछाल को दर्शाता है। उन्होंने कहा` कि समग्र गतिविधि के संदर्भ में, विनिर्माण व सेवा दोनों क्षेत्रों में कुल उत्पादन अप्रैल में उल्लेखनीय रूप से बढ़ा यद्यपि थोड़ी धीमी गति से जो इन क्षेत्रों में निरंतर बेहतरी का संकेत देता है।

वन97 कम्युनिकेशंस के शेयर पांच फीसदी गिरे

नई दिल्ली । वन97 कम्युनिकेशंस के शेयर में सोमवार को पांच प्रतिशत की गिरावट देखी गई। वन97 कम्युनिकेशंस के पास पेटीएम का स्वामित्व है। कंपनी के चेयरमैन एवं मुख्य परिचालन अधिकारी भावेश गुप्ता के इस्तीफा देने के बाद शेयरों में गिरावट आई। बीएसई पर फिनटेक कंपनी के शेयर 4.99 प्रतिशत गिरकर 351.70 रुपये पर आ गया। एनएसई पर यह पांच प्रतिशत गिरकर 351.40 रुपये पर आ गया। हाल ही मे एक आधिकारिक बयान में गुप्ता के इस्तीफा देने की जानकारी दी गई थी। वह 31 मई के बाद कंपनी से अलग हो जाएंगे।

थार और जिम्नी को टक्कर देने आ गई 2024 फोर्स गुरखा

- कंपनी ने 3-डोर वेरिएंट और 5-डोर वेरिएंट किया लॉन्च

नई दिल्ली।

भारतीय बाजार में 2024 फोर्स गुरखा लॉन्च हो गई है जो महिंद्रा की थार और मारुति की जिम्नी को टक्कर देगी। 2024 फोर्स गुरखा का कंपनी ने अपडेटेड 3-डोर वेरिएंट और 5-डोर वेरिएंट लॉन्च किया है। 3-डोर वेरिएंट की कीमत 16.75 लाख रुपए है और नए 5-डोर वेरिएंट की कीमत 18 लाख रुपए एक्स शोरूम है। कंपनी ने 2024 फोर्स गुरखा की बुकिंग शुरू कर दी गई है। ग्राहक इसे 25,000 रुपए टोकन मनी देकर बुक कर सकते हैं। इसकी डिलीवरी मई माह के अंत में शुरू की जाएगी। यह कार महिंद्रा थार और मारुति जिम्नी को टक्कर देगी। फोर्स गुरखा के दोनों वेरिएंट में 2.6-लीटर 4 सिलेंडर डीजल इंजन लगा है, जो 138बीएचपी की पावर और 320एनएम का पीक टॉर्क जेनरेट करता है। 5-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स के जरिए पावर चारों पहियों तक जाती है। 5-डोर वेरिएंट की लंबाई 4,390 मिमी, चौड़ाई 1,865 मिमी और ऊंचाई 2,095 मिमी है। इसका व्हीलबेस 2,825 मिमी लंबा है। वहीं 3-डोर वेरिएंट की लंबाई 3,965 मिमी, चौड़ाई 1,865 मिमी, ऊंचाई 2,080 मिमी और व्हीलबेस 2,400 मिमी है। 2024 फोर्स गुरखा एसयूवी में साइड टायर (255/65 आर18) पर नए आकर्षक 18 इंच के अलॉय व्हील दिए गए हैं।2024 फोर्स गुरखा बैज के साथ एक नया फ्रंट ग्रिल, एलईडी डे-टाइम रनिंग लाइट्स (डीआरएल) के साथ रेट्रो-स्टाइल गोलाकार एलईडी हेडलैंप और बीच में एक छोटे एयर डैम और गोल फॉग लैंप के साथ एक ब्लैक फ्रंट बम्पर दिया गया है। गाड़ी में 9.0-इंच का टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम, एप्पल कारप्ले और एंड्राइड ऑटो कनेक्टिविटी, एक डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, टेलीस्कोपिक स्टीयरिंग एडजस्ट, रियर कैमरा और टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम जैसे फीचर्स दिए गए हैं जो ग्राहक को आरामदायक ड्रायविंग का अनुभव कराएंगे।

भारत और घाना अपनी भुगतान प्रणा लियों को जोड़ने पर सहमत

नई दिल्ली ।

भारत और घाना अपनी भुगतान प्रणालियों यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) और घाना इंटरबैंक पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स (जीएचआईपीएसएस) को आपस में जोड़ने के लिए काम कर रहे हैं। इससे उपयोगकर्ताओं को आपस में तत्काल, कम लागत वाले धन हस्तांतरण में मदद मिलेगी। दोनों देशों ने डिजिटल रूपांतरण पर समझौता ज्ञापन की संभावनाओं, स्थानीय मुद्रा निपटान प्रणाली और अफ्रीकी महाद्वीपीय मुक्त व्यापार समझौते (एएफसीएफटीए) से मिलने वाले अवसरों पर भी चर्चा की है। वाणिज्य विभाग ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि वे छह महीने के भीतर घाना के जीएचआईपीएसएस पर एनपीसीआई (भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम) के यूपीआई के संचालन की दिशा में तेजी से काम करने के लिए सहमत हुए हैं। भारत का यूपीआई पहले ही सिंगापुर और यूएई जैसे देशों तक पहुंच चुका है। इसके लिए नाइजीरिया के साथ भी बातचीत चल रही है।

भारत में अनखोजे अवसर हैं, उनकी कंपनी भविष्य में तलाशेगी: वॉरेन बफेट

वाशिंगटन। अरबपति निवेशक वॉरेन बफेट ने कहा कि भारतीय शेयर बाजार में अनखोजे अवसर हैं, जिन्हें उनके समूह की होल्डिंग कंपनी बर्कशायर हैथवे भविष्य में तलाशना चाहेगी। बफेट की यह टिप्पणी हाल ही में बर्कशायर की वार्षिक बैठक के दौरान आई। भारतीय इक्विटी में निवेश करने वाले अमेरिका स्थित हेज फंड दूरदर्शी एडवाइजर्स के राजीव अग्रवाल ने उनसे दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत में बर्कशायर की संभावनाओं के बारे में पूछा था। बफेट से कहा कि यह एक बहुत अच्छा सवाल है। मुझे यकीन है कि भारत जैसे देशों में बहुत सारे अवसर हैं। बर्कशायर हैथवे के सह-संस्थापक, अध्यक्ष और सीईओ ने कहा` कि हालांकि, सवाल यह है कि क्या हमारे पास भारत में उन व्यवसायों के बारे में कोई बढ़त या अंतर्दृष्टि है या कोई संपर्क है, जो बर्कशायर की भागीदारी के जरिए लेनदेन को संभव बना सके। उन्होंने कहा कि बर्कशायर में अधिक ऊर्जावान प्रबंधन इसे आगे बढ़ा सकता है। बफेट (93) ने कहा कि बर्कशायर की दुनिया भर में बहुत अधिक प्रतिष्ठा है। उन्होंने कहा कि जापान में उनका अनुभव काफी दिलचस्प रहा है। भारत के बारे में उन्होंने कहा, हो सकता है कि कोई ऐसा अवसर हो, जिसकी खोज न की गई हो या जिस पर ध्यान न दिया गया हो लेकिन ऐसा भविष्य में हो सकता है।

शेयर बाजार में सपाट कारोबार

सेंसेक्स 17.39 अंक ऊपर आया , निफ्टी 33.15 अंक गिरा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार में सोमवार को सपाट कारोबार हुआ। दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी निवेशकों की मुनाफावसूली से बाजार नीचे आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 17.39 अंक करीब 0.02 फीसदी ऊपर आकर 73,895.54 अंक पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 33.15 अंक तकरीबन 0.15 फीसदी टूटकर 22,442.70 अंक पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर पांच फीसदी ऊपर आये। बैंक के शेयरों में यह तेजी मार्च तिमाही का लाभ फीसदी बढ़ने से आई है। इसके अलावा टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), हिंदुस्तान यूनिलीवर, महिंद्रा एंड महिंद्रा, सन फार्मा, टेक महिंद्रा और इंडसइंड बैंक के शेयर लाभ पर बंद हुए। वहीं टाइटन का शेयर 7 फीसदी जबकि भारतीय स्टेट बैंक, एनटीपीसी, पावर ग्रिड, बजाज फाइनेंस और लार्सन एंड टुब्रो के शेयर भी नीचे आये। इसके अलावा अगर दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में शंघाई और हांगकांग सकारात्मक रुख पर बंद हुए जबकि जापान और दक्षिण कोरिया के शेयर बाज़ार बंद थे।

यूरोपीय बाजार बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे और अमेरिका का वॉल स्ट्रीट शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। इससे पहले गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। इससे पहले आज सुबह वै श्विक बाजारों से मिले अच्छे संकेतों की वजह से सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार की तेज शुरुआत रही। सुबह बाजार खुलते समय बीएसई का सेंसेक्स 318.53 अंकों की बढ़त के साथ 74,196 पर और निफ्टी 85.75 अंकों की तेजी के साथ 22,561 के लेवल पर खुला है। वहीं शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 480 अंक चढ़कर 74,359.69 अंक पर और निफ्टी करीब 113 अंक की बढ़त के साथ 22,588.80 अंक पर पहुंच गया

इस सप्ताह बाजार में आएंगे तीन कंपनियों के आईपीओ

- 6,400 करोड़ रुपए जुटने की उम्मीद

नई दिल्ली ।

इस सप्ताह तीन कंपनियां ब्लैकस्टोन समर्थित आधार हाउसिंग फाइनेंस, चिकित्सा प्रौद्योगिकी कंपनी इंडिजेन और यात्रा क्षेत्र से जुड़ी कंपनी टीबीओ टेक कुल मिलाकर 6,400 करोड़ रुपए जुटाने के लिए आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाएंगी। इससे पहले जेएनके इंडिया ने पिछले महीने आईपीओ के माध्यम से 650 करोड़ रुपए जुटाए थे। पैंटोमैथ कैपिटल एडवाइजर्स के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि साल 2004 के बाद से पिछले चार आम चुनाव चक्रों में मई के दौरान एक भी आईपीओ पेश नहीं हुआ है।

आमतौर पर, इन वर्षों के दौरान अप्रैल से जून की अवधि चुनावी अनिश्चितता के कारण प्राथमिक बाजारों के लिए धीमी रही है। हालांकि, यह प्रवृत्ति अब अगले सप्ताह तीन आईपीओ पेशकश के साथ बदल गई है। आनंद राठी एडवाइजर्स के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने कहा कि नया चलन एक सकारात्मक संकेत है जो भारतीय पूंजी बाजार के परिपक्व होने और राजनीतिक घटनाक्रमों के बावजूद भारत की दीर्घकालिक वृद्धि गाथा में विश्वास का संकेत देता है। इंडिजेन का तीन दिन का आईपीओ छह मई को, जबकि आधार हाउसिंग फाइनेंस और टीबीओ टेक का आईपीओ आठ मई को खुलेगा। तीनों कंपनियों के कुल 6,393 करोड़ रुपए के आईपीओ में से 4,233 करोड़ रुपए बिक्री पेशकश (ओएफएस) के माध्यम से जुटाए जाएंगे।

सेंट्रम कैपिटल में एक साझेदार ने कहा कि समग्र सकारात्मक आर्थिक भावनाओं, शेयर बाजारों में तेजी और मजबूत प्रवाह के कारण प्राथमिक बाजार की गति जारी है। आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के 3,000 करोड़ रुपए के आईपीओ में 1,000 करोड़ रुपए के नए शेयर जारी किए जाएंगे और ब्लैकस्टोन ग्रुप इंक की सहयोगी कंपनी बीसीपी टोप्को 7 प्राइवेट लिमिटेड की ओर से 2,000 करोड़ रुपए की बिक्री पेशकश (ओएफएस) लाई जाएगी। फिलहाल आधार हाउसिंग में बीसीपी टोप्को की 98.72 प्रतिशत हिस्सेदारी है और आईसीआईसीआई बैंक की 1.18 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

कंपनी के आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 300-315 रुपए प्रति शेयर तय किया है। चिकित्सा क्षेत्र की प्रौद्योगिकी कंपनी इंडिजेन के 1,842 करोड़ रुपए के आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 430-452 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है। इसके आईपीओ में 760 करोड़ रुपए तक के नए शेयर जारी किए जाएंगे और 1,082 करोड़ रुपए के 2.34 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश होगी।

आरईसी गिफ्ट सिटी में अनुषंगी कंपनी स्थापित करेगी

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की आरईसी लिमिटेड को गुजरात के गिफ्ट सिटी में एक अनुषंगी कंपनी स्थापित करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मंजूरी मिल गई है।कंपनी ने कहा कि प्रस्तावित अनुषंगी कंपनी गिफ्ट सिटी के भीतर एक वित्त कंपनी के तौर पर कर्ज देने, निवेश समेत कई वित्तीय गतिविधियों में संलग्न होगी। कंपनी के अनुसार विद्युत मंत्रालय के अधीन और अग्रणी गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) आरईसी लिमिटेड को गांधीनगर में गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्ट सिटी) में एक अनुषंगी कंपनी स्थापित करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) प्राप्त हुआ है। कंपनी ने कहा कि भारत में वित्तीय सेवाओं के लिए उभरते केंद्र गिफ्ट सिटी में परिचालन का विस्तार करने का निर्णय तब लिया गया है जब आरईसी अपने पोर्टफोलियो में विविधता ला रही है और वृद्धि के नए रास्ते खोल रही है। आरईसी लिमिटेड के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि गिफ्ट सिटी मंच विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे के साथ अंतरराष्ट्रीय ऋण गतिविधियों के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करता है। हमें विश्वास है कि आरईसी वैश्विक बाजार में अपने लिए जगह बनाने के लिए इन लाभों का उपयोग करेगी।

एम्बेसी आरईआईटी कार्यालय स्थल के निर्माण में करेगी 3,800 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली ।

एम्बेसी ऑफिस पार्क्स आरईआईटी अपने मौजूदा कार्यालय परिसरों का निर्माण कार्य पूरा करने अगले चार वर्षों में 3,800 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। प्रीमियम कार्यस्थल की मांग को देखते हुए यह निवेश किराया खंड का विस्तार करने की उसकी रणनीति का हिस्सा है। एम्बेसी आरईआईटी भारत का पहला सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट (आरईआईटी) है। इसके पास वर्तमान में बेंगलुरु, मुंबई, पुणे और दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में 3.65 करोड़ वर्ग फुट का पूर्ण कार्यालय स्थान है। एम्बेसी आरईआईटी के एक मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने एक साक्षात्कार में कहा कि कंपनी का कारोबार लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि अपने खंड का विस्तार करने के लिए कंपनी वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) और घरेलू कंपनियों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए बेंगलुरु में 61 लाख वर्ग फुट प्रीमियम कार्यालय स्थान का निर्माण कर रही है। इसके अलावा कंपनी ने प्रायोजक एम्बेसी समूह से 1,269 करोड़ रुपये के उद्यम मूल्य पर एम्बेसी स्प्लेंडिड टेक जोन (ईएसटीजेड), एक ग्रेड-ए बिजनेस पार्क खरीदने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने कहा` कि हम फिलहाल 61 लाख वर्ग फुट ग्रेड ए कार्यालय स्थल का निर्माण कर रहे हैं। यह अगले चार वर्षों में पूरा हो जाएगा। इन कार्यालय भवनों को पूरा करने के लिए लंबित निर्माण लागत करीब 3,800 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। कंपनी नियोजित निवेश को मुख्य रूप से ऋण के जरिए वित्तपोषित करेगी।

आईआईएचएल को आरकैप सौदे पर इरडा की मंजूरी नहीं मिली: हिंदुजा

मुंबई ।

आईआईएचएल के चेयरमैन अशोक हिंदुजा ने कहा कि उसे रिलायंस कैपिटल के 9,650 करोड़ रुपये के अधिग्रहण के लिए बीमा नियामक इरडा से अभी तक मंजूरी नहीं मिली है।उन्होंने कहा कि आईआईएचएल इस सौदे के लिए नवंबर से ही भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) के संपर्क में है। उन्होंने कहा कि आईआईएचएल को जल्द से जल्द मंजूरी मिलने की उम्मीद है और कहा कि आमतौर पर ऐसी मंजूरी 2-3 महीने में मिल जाती है।हिंदुजा ने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि आईआईएचएल इरडा की मंजूरी के 48 घंटे के भीतर बोली राशि का भुगतान करके सौदा पूरा कर लेगी। आरकैप की 9,650 करोड़ रुपये की खरीद प्रक्रिया को अमलीजामा पहनाने के लिए राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण की 27 मई की समयसीमा खत्म होने में तीन सप्ताह से कुछ अधिक समय बाकी है। अशोक हिंदुजा ने कहा कि मॉरीशस स्थित आईआईएचएल ने अधिग्रहण के लिए बैंकों के एक समूह से 7,500 करोड़ रुपये का करार किया है। उन्होंने हालांकि धन देने वाले बैंकों के बारे में कोई विवरण देने से इनकार किया। उन्होंने कहा कि एक प्रमुख बैंक है, जो समय आने पर धन का प्रबंध करेगा। हिंदुजा ने कहा कि 2,000 करोड़ रुपये से अधिक के बाकी हिस्से का इंतजाम आईआईएचएल करेगी।

गोदरेज प्रॉपर्टीज लॉन्च करेगी 30 हजार करोड़ का हाउसिंग प्रोजेक्ट

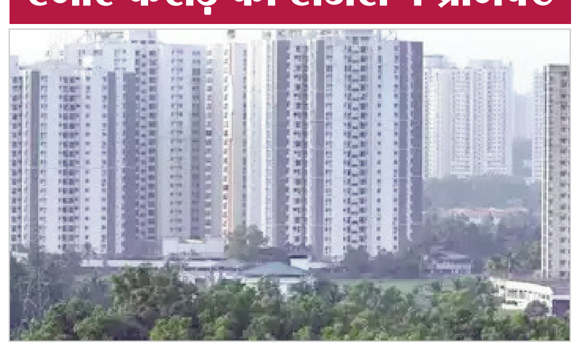

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज की योजना चालू वित्त वर्ष 2024-25 में प्रमुख शहरों में 30,000 करोड़ रुपये की आवासीय परियोजनाएं लाने की है। कंपनी के कार्यकारी चेयरपर्सन पिरोजशा गोदरेज ने कहा कि भारी मांग के बीच कंपनी का लक्ष्य बिक्री बुकिंग में 20 प्रतिशत वृद्धि पाने की है। पिरोजशा ने एक साक्षात्कार में कहा` कि हमने चालू वित्त वर्ष के लिए 27,000 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग का लक्ष्य दिया है, जो 2023-24 में उच्च आधार से 20 प्रतिशत की वृद्धि है।

पिछले वित्त वर्ष में कंपनी की बिक्री बुकिंग 84 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 22,527 करोड़ रुपये हो गई, जो वित्त वर्ष 2022-23 में 12,232 करोड़ रुपये थी। यह पिछले वित्त वर्ष के लिए किसी भी सूचीबद्ध इकाई द्वारा दर्ज की गई अब तक की सबसे अधिक बिक्री है। पिरोजशा ने कहा कि आवास खंड में, खासकर प्रतिष्ठित ब्रांड्स में मांग मजबूत बनी रहेगी। उन्होंने कहा` कि यह (2023-24 वित्तीय वर्ष) कुल मिलाकर एक शानदार वर्ष था, चाहे आप नई परियोजना, बिक्री, ग्राहकों से संग्रह, व्यवसाय विकास, परियोजनाओं की आपूर्ति, नकदी प्रवाह और लाभ को देखें। कारोबार में जिस तरह की गति आ रही है, उसे देखकर हम वास्तव में उत्साहित हैं।

उन्हें उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में आवास की मांग बनी रहेगी। इस मांग को पूरा करने के लिए पिरोजशा ने कहा कि कंपनी ने दिल्ली-एनसीआर, मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), बेंगलुरु, पुणे और हैदराबाद के बाजारों के लिए कई परियोजनाएं शुरू करने के लिए तैयार रखी हैं। उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष में दिल्ली, गुरुग्राम और नोएडा में छह परियोजनाएं शुरू करने की योजना बनाई जा रही है।

एलआईसी एजेंट ने बुढ़ापे में खड़ी कर दी 23 हजार करोड़ की कंपनी

- रिटायरमेंट की उम्र में की थी कारोबार की शुरुआत

नई दिल्ली । दुनिया में ऐसे बहुत से लोग हैं, जिन्होंने ढलती उम्र में बड़ी सफलता हासिल की है। ऐसे ही कहानी लक्ष्मण दास मित्तल की है। लक्ष्मण दास सोनालिका ट्रैक्टर्स के फाउंडर हैं। एक समय पर वह एलआईसी के एजेंट हुआ करते थे। उन्होंने अपनी सैलरी से पाई-पाई बचाई थी। रिटायरमेंट की उम्र में उन्होंने कारोबार की शुरुआत की थी। आज देश के टॉप ट्रैक्टर्स के ब्रांड में सोनालिका का नाम शामिल हो चुका है। वह देश के सबसे उम्रदराज अरबपति हैं। लक्ष्मण दास मित्तल की कहानी अनोखी है, उन्होंने लोगों के लिए एक मिसाल कायम की है। लक्ष्मण दास ने दिखा दिया कि सफलता किसी भी उम्र में हासिल की जा सकती है। लक्ष्मण दास मित्तल सोनालिका ग्रुप और सोनालिका ट्रैक्टर्स के चेयरमैन हैं। इनका जन्म 5 अगस्त 1931 को पंजाब के होशियारपुर में हुआ था। इनके पिता हुकुमचंद स्थानीय मंडी में अनाज के डीलर थे, इसलिए उनके परिवार की आर्थिक स्थिति सामान्य थी। उनके पिता उन्हें हमेशा से ही पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करते थे। पढ़ाई पूरी करने के बाद 1955 में लक्ष्मण दास ने एलआईसी एजेंट के रूप में अपने करियर की शुरुआत की। लक्ष्मण दास शुरू से ही बिजनेस करना चाहते थे। लेकिन बिजनेस के लिए पूंजी की जरूरत होती है। इसके लिए उन्होंने एलआईसी एजेंट के रूप में काम करते हुए अपनी सैलरी से पाई-पाई बचाई। उसी बचत से उन्होंने 1962 में नौकरी करते हुए थ्रेशर मशीन बनाने का काम शुरू किया, लेकिन इसमें वो सफल नहीं सके। उनका यह कारोबार डूब गया और वे दिवालिया हो गए, इस दौरान उनकी नेटवर्थ सिर्फ 1 लाख रुपये रह गई। साल 1996 में लक्ष्मण दास मित्तल ने अपनी सारी जमा पूंजी लगाकर सोनालिका ट्रैक्टर्स की शुरुआत की थी। लक्ष्मणदास मित्तल की ट्रैक्टर कंपनी का उत्तर भारतीय राज्यों में मजबूत कारोबार है। सोनालिका ग्रुप के 5 प्लांट पांच अलग-अलग देशों में स्थित है। कंपनी 120 से अधिक देशों में ट्रैक्टर निर्यात करती है। फोर्ब्स की लिस्ट में उन्हें अरबपतियों की लिस्ट में शामिल किया गया। उनकी नेटवर्थ 2.5 अरब डॉलर के आस पास है। वर्तमान में सोनालिका समूह का नेटवर्थ करीब 23000 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है।

आईपीएल में आज दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स में होगा अहम मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स टीम आईपीएल में मंगलवार को अपने घरेलू मैदान पर राजस्थान रॉयल्स का मुकाबला करेगी। दिल्ली के लिए ये मुकाबला बेहद अहम है। उसे प्लेऑफ की संभावनाएं बनाये रखने इस मैच को हर हाल में जीतना होगा। इस मैच में हार से वह मुकाबले से बाहर हो जाएगी। ऐसे में टीम की कड़ी परीक्षा होगी क्योंकि रॉयल्य की टीम अंत तालिका में नंबर एक पर होने के साथ ही शानदार लय में है। उसके पास बेहतरीन बल्लेबाज और गेंदबाज हैं। इस मैच में दिल्ली की संभावनाएं कप्तान कप्तान ऋषभ पंत और युवा जैक फ्रेसर मैकगुर्क की बल्लेबाजी पर आधारित रहेगी। इसका कारण है कि ये दोनो ही बल्लेबाज अभी तक जबरदस्त फार्म में हैं। वहीं उसके गेंदबाज अब तक प्रभावित नहीं कर पाये हैं। अभी तक इस सत्र में दिल्ली ने 11 में से पांच मैच जीते और उसके 10 अंक हैं और वह छठे नंबर पर है। ऐसे में उसे अपने बचे हुए तीनों की मैच जीतने होंगे। तभी वह 16 अंक तक पहुंचेगी। इसके बाद भी उसे प्लेआफ में जगह मिले ये तय नहीं है। ऐसे में उसके अन्य टीमों के परिणामों पर भी नजर रखनी होगी।

वहीं दूसरी और रॉयल्स के 16 अंक हैं और वह अंक तालिका में नंबर एक पर है। उसके पास कप्तान संजू सैमसन, के अलावा जोस बटलर, यशस्वी जायसवाल और रियान पराग जैसे बल्लेबाज हैं हालांकि इन्हें दिल्ली के गेंदबाजों खलील अहमद, ईशांत शर्मा और कुलदीप यादव से सतर्क रहना होगा। इसके अलावा अब तक तीन अर्धशतक समेत 380 रन बना चुके दिल्ली के कप्तान पर अंकुश लगाना रॉयल्स के गेंदबाजों के लिए आसान नहीं रहेगा। रॉयल्स के पास अवेश खान, ट्रेंट बोल्ट, स्पिनर युजवेंद्र चहल और अनुभवी आर अश्विन जैसे गेंदबाज हैं।,

चहल और रविचंद्रन अश्विन को खेलना आसान नहीं होगा। उनके अलावा संदीप शर्मा के रूप में रॉयल्स के पास एक और अच्छा है। राजस्थान के गेंदबाजों का इकॉनामी रेट भी अच्छा रहा है वहीं दिल्ली के पास अक्षर पटेल और कुलदीप यादव ही ऐसे गेंदबाज हैं जिनका इकॉनॉमी अच्छा रहा है। खलील अहमद, मुकेश कुमार, लिजाड विलियम्स और एनरिच नॉर्किया ने अब तक काफी रन दिये हैं। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरा जोर लगा देंगी। ऐसे में ये मुकाबला रोमांचक रहेगा।

टीम

राजस्थान रॉयल्स- संजू सैमसन (कप्तान), जोस बटलर, शुभम दुबे, शिम्रोन हेटमायर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, टॉम कोहलर-कैडमोर, रियान पराग, रोवमैन पॉवेल, कुणाल सिंह राठौड़, रविचंद्रन अश्विन, डोनोवन फरेरा, अवेश खान, ट्रेंट बोल्ट , नंद्रे बर्गर, युजवेंद्र चहल, प्रसिद्ध कृष्णा, नवदीप सैनी, संदीप शर्मा, कुलदीप सेन, आबिद मुश्ताक, तनुश कोटियन।

दिल्ली कैपिटल्स- ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), डेविड वार्नर, पृथ्वी साव, यश ढुल, अभिषेक पोरेल, अक्षर पटेल, ललित यादव, मिशेल मार्श, प्रवीण दुबे, विक्की ओस्टवाल, एनरिक नोर्किया, कुलदीप यादव, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, खलील अहमद, इशांत शर्मा, मुकेश कुमार, ट्रिस्टन स्टब्स, रिकी भुई, कुमार कुशाग्र, रसिख डार, झाय रिचर्डसन, सुमित कुमार, स्वास्तिक चिकारा, शाई होप।

भारतीय महिला और पुरूष रिले टीमों ने किया पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई

नासाउ (एजेंसी)। भारतीय महिला और पुरूष चार गुणा 400 मीटर रिले टीमों ने यहां सोमवार को विश्व एथलेटिक्स रिले में दूसरे दौर की हीट में दूसरे स्थान पर रहकर पेरिस ओलंपिक के लिये क्वालीफाई कर लिया।

रूपल चौधरी, एम आर पूवम्मा, ज्योतिका श्री दांडी और शुभा वेंकटेशन की चौकड़ी ने तीन मिनट 29.35 सेकंड का समय लेकर पहली हीट में जमैका (3-28.54) के बाद दूसरा स्थान हासिल करके पेरिस का टिकट कटाया। भारतीय टीम रविवार को पहले दौर की क्वालीफाइंग हीट में तीन मिनट 29.74 सेकंड का समय निकालकर पांचवें स्थान पर रही थी। बाद में पुरूष टीम (मोहम्मद अनस याहया, मोहम्मद अजमल, अरोकिया राजीव और अमोल जैकब) तीन मिनट 3.23 सेकंड का समय निकालकर अमेरिका (2-59.95) के बाद दूसरे स्थान पर रही।

दूसरे दौर में तीनों हीट से शीर्ष दो टीमों ने 26 जुलाई से 11 अगस्त तक होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई किया। पहले दौर में पुरूष टीम रेस पूरी नहीं कर सकी थी क्योंकि दूसरे चरण के धावक राजीव रमेश को मांसपेशी में खिंचाव के कारण बीच में ही बाहर होना पड़ा था। अब भारत के ट्रैक और फील्ड के 19 खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक के लिये क्वालीफाई कर चुके हैं जिनमें भालाफेंक चैम्पियन नीरज चोपड़ा शामिल हैं। एथलेटिक्स की स्पर्धाएं एक अगस्त से शुरू होंगी।

इस प्रकार प्लेऑफ में पहुंच सकती है आरसीबी

बेंगलुरु (एजेंसी) । आईपीएल के लीग मुकाबले अपने अंतिम चरण में पहुंच गये हैं। इस बार पांच बार की विजेता मुम्बई इंडियंस अंत तालिका में अंतिम स्थान पर होने के कारण जहां प्लेऑफ से बाहर हो गयी है। वहीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरीबी) शुरुआती हार के बाद लगातार तीन जीत के साथ ही प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई है। आरसीबी ने एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में गुजरात टाइटन्स को 4 विकेट से हराकर प्लेऑफ के लिए हलकी सी संभावनाएं बनाये रखी हैं हालांकि अब भी आरसीबी का प्लेऑफ में पहुंचना बेहद कठिन है, इसके लिए उसे अपने बचे हुए सभी मुकाबलों को बड़े अंतर से जीतने के साथ ही अन्य टीमों के परिणामों पर भी नजरें रखनी होंगी।

आरसीबी के फिलहाल 11 मैचों में आठ अंक हैं और उसका नेट-रनरेट अब भी माइनस (-0.049) में है। अगर आरसीबी अपने बाकी तीनों मैच जीत जाती है तो भी वह अधिकतम 14 अंकों तक पहुंच सकती है। आरसीबी को अभी पंजाब किंग्स , दिल्ली कैपिटल्स और चेन्नई सुपर किंग्स से मुकाबले खेलने हैं।

प्लेऑफ में पहुंचने के लिए आरसीबी को बाकी के अपनी तीनों मैच जीतने होंगे। साथ ही उसे उम्मीद करनी होगी कि सनराइजर्स हैदराबाद या लखनऊ सुपर जाइंट्स में से कोई एक टीम अपने बचे हुए सभी मैच हार जाये। हैदराबाद के 10 मैचों से 12 और लखनऊ के 11 मैचों से 12 अंक हैं। इसके अलावा आरसीबी को भी ये उम्मीद करनी होगी कि चेन्नई सुपर किंग्स एक और दिल्ली कैपिटल्स दो से अधिक मैच नहीं जीतें। सीएसके के 11 मैचों से 12 और दिल्ली के 11 मैचों से 10 अंक हैं.

यदि ऐसा होता है पांच टीमें 14-14 अंकों की बराबरी पर आ जाएंगी, जिससे नेट-रनरेट अहम हो आ जाएगा। वैसे आरसीबी 12 अंकों के साथ भी प्लेऑफ में जगह बना सकती है।. यदि आरसीबी एक मैच हार जाती है तो उसे उम्मीद करनी होगी कि दिल्ली, चेन्नई, पंजाब, लखनऊ और हैदराबाद 12 से अधिक अंक न हासिल करें, तब जाकर नेट-रनरेट के जरिए प्लेऑफ के लिए फैसला होगा।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम पाकिस्तान जाएगी या नहीं, बीसीसीआई के उपाध्यक्ष शुक्ला किया सब साफ

नई दिल्ली **(एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने सोमवार को कहा कि सरकार की अनुमति के बाद ही भारतीय क्रिकेट टीम को पाकिस्तान में अगले वर्ष होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भेजा जाएगा।

बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा, 'चैंपियन ट्रॉफी के मामले में हम वही करेंगे जो सरकार हमसे करने को कहेगी। हम अपनी टीम तभी भेजते हैं जब सरकार हमें इसकी इजाजत देती है। हम सरकार के निर्णय के अनुसार चलेंगे।'

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की मेजबानी पाकिस्तान के पास है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इस टूर्नामेंट को अपने यहां आयोजित करने के लिए तैयारी शुरू कर दी है। ऐसा माना जा रहा है कि लाहौर, कराची और रावलपिंडी में चैंपियंस ट्रॉफी की मैच खेले जाएंगे। अभी टूर्नामेंट के लिए हालांकि तारीखों की घोषणा नहीं हुई है।

कोहली सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक, उसके खिलाफ रणनीति बनाएंगे : बाबर आजम

लाहौर - पाकिस्तान के सीमित ओवरों के कप्तान बाबर आजम ने कहा कि विराट कोहली भारत के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से हैं और अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप में उनके बल्ले पर अंकुश लगाने के लिये रणनीति जरूर बनाई जाएगी। टी20 विश्व कप अमेरिका और वेस्टइंडीज में एक जून से शुरू होगा जिसमें भारत और पाकिस्तान नौ जून को न्यूयॉर्क में आमने सामने होंगे। यहां प्रेस कांफ्रेंस में उनसे पूछा गया कि क्या वह शानदार फॉर्म में चल रहे कोहली के खिलाफ रणनीति बनाएंगे, इस पर उन्होंने कहा कि एक टीम के रूप में विरोधी के टीम सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ रणनीति बनाई ही जाती है। उन्होंने कहा, 'हम दूसरी टीमों के सभी 11 खिलाड़ियों के खिलाफ रणनीति बनाते हैं। हमें न्यूयॉर्क के हालात के बारे में ज्यादा पता नहीं है लेकिन वह (कोहली) सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक है और हम उसके खिलाफ भी रणनीति बनाएंगे।' उन्होंने उम्मीद जताई कि गैरी कर्स्टन को सफेद गेंद के प्रारूप का मुख्य कोच बनाये जाने से पाकिस्तानी टीम का प्रदर्शन ग्राफ ऊपर जाएगा। कर्स्टन को पिछले महीने दो साल के लिए पाकिस्तान का मुख्य कोच बनाया गया है। उनके कोच रहते भारत ने 2011 वनडे विश्व कप जीता था। वह 2008 से 2011 तक भारत के और 2011 से 2013 तक दक्षिण अफ्रीका के कोच रहे हैं।

राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी सुमनदीप ने की आत्महत्या, भाखड़ा नहर में कूदकर दी जान

पटियाला - राष्ट्रीय स्तर की हॉकी खिलाड़ी सुमनदीप कौर ने कथित तौर पर अपने भाई और भाभी से झगड़े के बाद पंजाब के भाखड़ा नहर में कूदकर अपनी ईहलीला समाप्त कर ली। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पिता की शिकायत पर भाई और भाभी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। सुमनदीप के पिता जसपाल सिंह ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी पंजाब यूनिवर्सिटी में एमए की पढ़ाई कर रही थी। वह अपने बेटे विक्रमजीत सिंह और उसकी पत्नी पिंकी की ओर से सुमनदीप के साथ दुर्व्यवहार से व्यथित हैं। पुलिस ने कहा कि सुमनदीप के भाई को गिरफ्तार कर लिया गया है जबकि पिंकी की तलाश की जा रही है। पुलिस ने सुमनदीप का शव बरामद कर लिया है तथा मामले की जांच कर रही है।

रोहित के नाम है सबसे अधिक टी20 विश्वकप खेलने का रिकार्ड

मुम्बई । आईसीसी टी20 विश्वकप में रोहित शर्मा एक बार फिर भारतीय टीम की कप्तानी करते नजर आयेंगे। रोहित के नाम इस विश्वकप में एक ऐसा रिकार्ड है जिसके करीब आज तक कोई भी खिलाड़ी नहीं पहुंचा। यहां तक कि अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली भी इस मामले में पीछे रह गये हैं। रोहित ने सबसे अधिक बार इस टूर्नामेंट में खेला है। वह इस टूर्नामेंट के पहले सत्र से लेकर अब तक सभी विश्व कप में टीम में शामिल रहे हैं। इस प्रकार उनके नाम टी20 विश्व कप में कुल 39 मैच खेलने का रिकॉर्ड हो गया है। वहीं दूसरे नंबर पर 36 मैच खेलने वाले बांग्लादेश के पूर्व कप्तान शाकिब अल हसन शामिल हैं। ऐसे में शाकिब ही एक ऐसे खिलाड़ी हैं जो उनका ये रिकार्ड तोड़ सकते हैं। टी20 विश्वकप में खेलने की इस सूची में श्रीलंका के तिलकरत्ने दिलशान, वेस्टइंडीज के ड्वेन ब्रावो, पाकिस्तान के शाहिद अफीरीद, शोएब मलिक, भारत के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी, वेस्टइंडीज के क्रिस गेल भी शामिल हैं। इन सभी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है, वहींराट कोहली ने केवल 27 मुकाबले खेले हैं, इससे वह भी रोहित शर्मा के रिकॉर्ड तक नहीं पहुंच पाएंगे।

धोनी के नौवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरने पर भड़के हरभजन

धर्मशाला (एजेंसी) । पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने सीएसके के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के पंजाब किंग्स के खिलाफ नौवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आने पर नाराजगी जतायी है। हरभजन ने कहा कि धोनी को अगर इस नंबर पर आना था तो उन्हें खेलना ही नहीं चाहिये था। धोनी टी20 करियर में पहली बार नंबर 9 पर बल्लेबाजी के लिए उतरे पर वह खाता खोल बिना ही आउट गये। इसी को लेकर हरभजन हरभजन ने कहा कि ऐसे में उन्हें अपनी जगह किसी तेज गेंदबाज हो अवसर देना चाहिये था। साथ ही कहा कि सीएसके इस मैच में जीती पर धोनी के फैसले से लोग निराश हुए।

भज्जी ने कहा कि धोनी ने अपने से पहले शार्दुल ठाकुर को भेजा पर सभी जानते हैं कि शार्दुल धोनी की तरह तेज नहीं खेल सकते। इसलिए मुझे समझ नहीं आता कि धोनी ने ऐसा क्यों किया। धोनी की सहमति के बिना कुछ नहीं होता और ऐसे में ये नहीं कहा जा सकता कि किसी ने उन्हें मजूबर किया। वहीं इस मैच में पंजाब किंग्स पर जीत से सीएसके अंक तालिका में तीसरे नंबर पर पहुंच गयी है। जीत से उत्साहित टीम के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने इस मैच में अच्छे प्रदर्शन के लिए युवा तेज गेंदबाज सिमरजीत सिंह की प्रशंसा की है।

भारतीय महिला और पुरुष रिले टीम ने पेरिस ओलिंपिक के लिए क्वालिफाई किया

बहामास (एजेंसी)। भारतीय महिला और पुरुष रिले टीम ने यहां बहामास में जारी विश्व एथलेटिक्स रिले में अच्छा प्रदर्शन करते हुए पेरिस ओलिंपिक के लिए क्वालिफाई किया है। इसमें भारतीय महिला टीम दूसरे दौर की हीट में दूसरे स्थान पर रही। वहीं पुरुष टीम भी अपनी दूसरी हीट में दूसरे स्थान पर आई। इससे दोनो की टीमों ने पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया। इसमें महिलाओं की चार गुणा चार सौ मीटर रिले में रूपल चौधरी, एमआर पूवम्मा, ज्योतिका श्री दांडी और सुभा वेंकटेशन की चौकड़ी ने 3 मिनट और 29.35 सेकंड का समय निकाला और वह दूसरे स्थान पर आई जबकि जमैका की टीम 3.28.54 के साथ पहले स्थान पर रही।

इसके अलावा पुरुषों की चार गुणा चार सौ मीटर रिले में मोहम्मद अनस याहिया, मोहम्मद अजमल, अरोकिया राजीव और अमोज जैकब की टीम 3 मिनट और 3.23 सेकेंड का समय निकालकर अपनी हीट में दूसरे स्थान पर रहे। अमेरिकी पुरुष टीम 2-59.9 का समय निकालकर पहले स्थान पर रही।

वहीं इससे पहले भारतीय महिला टीम पहले दौर की क्वालिफाइंग हीट में 3 मिनट और 29.74 सेकेंड का समय निकालकर पांचवें स्थान पर रही थी जबकि पुरुष टीम पहले हीट में राजेश रमेश के बीच में हटने के कारण क्वालिफाइंग नहीं कर पाई थी।

टी-20 विश्व कप के बाद एमएलसी में खेलेंगे हेड

मुम्बई । भारत में अभी आईपीएल खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रैविस हेड ने कहा है कि वह टी-20 विश्व कप के बाद अमेरिकी मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) के दूसरे सत्र में खेलेंगे। अमेरिका और वेस्टइंडीज में टी-20 विश्व कप 29 जून को खत्म होगा। इसके बाद सितंबर तक ऑस्ट्रेलिया का कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं है। इसी का लाभ उठाते हुए हेड ने अमेरिकी लीग में खेलने का फैसला किया है। हेड ने आईपीएल के इस सत्र में सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से अब तक शानदार प्रदर्शन किया है , इससे टी-20 प्रारुप में उनकी मांग भी बढ़ी है। हेड का कहना है कि उनका खेल से ब्रेक लेने का कोई इरादा नहीं है। वह मेजर लीग में वाशिंगटन फ्रीडम की ओर से खेलने के लिए टीम से जुड़ेंगे। हेड के अलावा इसमें ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ फ्रीडम भी खेलेंगे। टीम के नए कोच, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग रहेंगे। पोंटिंग को इस लीग के लिए ग्रेग शिपर्ड की जगह कोच बनाया गया है। पोंटिंग भी अभी आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के कोच हैं। फ्रीडम की ओर से न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर रचिन रवींद्र भी खेलेंगे। टीम ने 2023 सत्र के लिए माकर जेन्सन और अकील होसेन जैसे दो विदेशी खिलाड़ियों को भी रखा है। इस लीग में एडम ज़म्पा लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स, स्पेंसर जॉनसन नाइट राइडर्स और टिम डेविड एमआई न्यूयार्क भी खेलेंगे।) शामिल हो गए हैं। उन्होंने एमएलसी के दूसरे सत्र के लिए अनुबंध की पुष्टि की है।

लखनऊ की हार से राजस्थान को झटका, केकेआर अंक तालिका में टॉप पर

स्पोर्ट्स डेस्क - कोलकाता नाइट राइडर्स ने रविवार को लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ 98 रन से जीत दर्ज करके आईपीएल 2024 अंक तालिका में पहले स्थान पर जगह बनाई। 236 रनों का पीछा करते हुए लखनऊ को हर्षित राणा और वरुण चक्रवर्ती के तीन विकेटों की बदौलत 16.1 ओवर में 137 रन पर सिमट गई। शुरुआत में सुनील नारायण की 39 गेंदों पर 81 रनों की दमदार पारी की बदौलत केकेआर ने 20 ओवरों में 235/6 का स्कोर बनाया। इस बीच लखनई के लिए नवीन-उल-हक ने तीन विकेट लिए। केकेआर 11 मैचों में 16 अंकों के साथ आईपीएल 2024 अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया है। उसके बाद दूसरे स्थान पर राजस्थान रॉयल्स (16) है, जिसके पास भी समान अंक हैं। चेन्नई सुपर किंग्स (12) तीसरे और सनराइजर्स हैदराबाद (12) चौथे स्थान पर हैं। लखनऊ 12 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर है। छठे स्थान पर दिल्ली कैपिटल्स (10) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (8) सातवें स्थान पर है। पंजाब किंग्स (8) आठवें, गुजरात टाइटंस (8) नौवें और मुंबई इंडियंस (10) दस टीमों की तालिका में सबसे नीचे हैं।

टी20 विश्व कप को मिली आतंकवादी धमकी, त्रिनिदाद के पीएम का खुलासा

पोर्ट आफ स्पेन (एजेंसी)। वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले टी20 विश्व कप को आतंकवादी धमकी मिली है। त्रिनिदाद के प्रधानमंत्री कीथ रोले ने इसका खुलासा किया जबकि आईसीसी ने कहा है कि एक जून से शुरू हो रहे टूर्नामेंट की सुरक्षा के लिए व्यापक और मजबूत योजना बनाई गई है। एक जून से होने वाले टी20 विश्व कप में भारत समेत 20 टीमें भाग ले रही हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार धमकी वेस्टइंडीज को मिली है। वेस्टइंडीज में प्रारंभिक दौर के कुछ मैचों के अलावा पूरा सुपर आठ चरण, सेमीफाइनल और फाइनल खेला जाएगा। रोले ने 'त्रिनिदाद डेली एक्सप्रेस' से कहा, 'यह दुर्भाग्य की बात है कि 21वीं सदी में भी दुनिया में आतंकवाद का खतरा अलग अलग रूपों में बना हुआ है।'

उन्होंने किसी संगठन का नाम नहीं लिया लेकिन रपटों में कहा गया है कि इस्लामिक स्टेट ने अपने चैनल के जरिए यह धमकी दी है। आईसीसी के एक प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, 'टूर्नामेंट में हर किसी की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है और इसके लिए व्यापक तथा मजबूत सुरक्षा योजना बनाई गई है।' इसने कहा, 'हम मेजबान देश के अधिकारियों के संपर्क में हैं और हालात पर लगातार नजर रखे हुए हैं। किसी भी तरह के जोखिम से निपटने के लिए सुरक्षा के चाक चौबंद उपाय किए जा रहे हैं।'

रोले ने कहा, 'किसी भी जोखिम से निपटने के लिए स्थानीय और क्षेत्रीय स्तर पर हम मुस्तैद हैं। हम स्थानीय और क्षेत्रीय स्तरों पर कई खतरों के प्रति सतर्क रहे हैं और अकेले या साथ में हमारी खुफिया और अन्य सुरक्षा एजेंसियां पूरे टूर्नामेंट के दौरान देशों और स्थानों पर आबादी की सुरक्षा के लिए काम कर रही हैं।' उन्होंने कहा कि वेस्टइंडीज में सभी छह आयोजन स्थलों की पूरे टूर्नामेंट के दौरान कड़ी निगरानी रखी जाएगी ताकि सुरक्षा में कोई सेंध नहीं मार सके।

वेस्टइंडीज में विश्व कप मैच एंटीगा और बारबुडा, बारबाडोस, गयाना, सेंट लूसिया, सेंट विंसेंट और ग्रेनाडा, त्रिनिदाद और टोबैगो में खेले जाएंगे। अमेरिका में मैच फ्लोरिडा, न्यूयॉर्क और टैक्सास में होंगे। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने कहा कि विश्व कप की फुलप्रूफ सुरक्षा के पूरे उपाय किये जा रहे हैं । क्रिकेट वेस्टइंडीज के सीईओ जॉनी ग्रेव्स ने कहा, 'हम अधिकारियों के साथ मिलकर हालात पर लगातार नजर रखे हुए हैं और टूर्नामेंट की सुरक्षा के चाक चौबंद उपाय किए जा रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'हम सभी हितधारकों को टी20 विश्व कप की सुरक्षा को लेकर आश्वस्त करना चाहते हैं। हमने व्यापक और मजबूत सुरक्षा योजना बनाई है।'

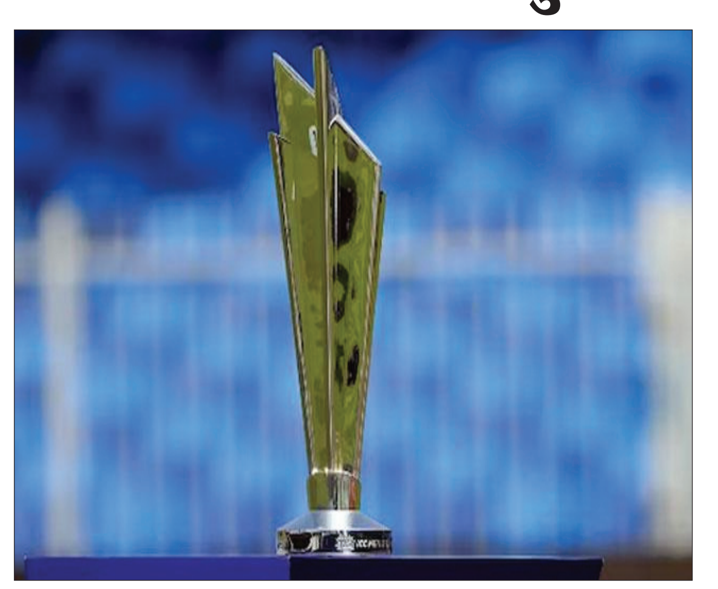

सुकून और सुंदरता
का एक ही नाम सफेद

- विज्ञान ने भी साबित किया है कि गर्मियों में हल्के सुहाने रंग राहत और सुकून पहुंचाते हैं। और यदि तेज, चुभती धूप में कपड़ों का रंग सफेद हो तो... ये बिल्कुल जादू की तरह काम करता है। देखकर सुकून का आभास होता है।
- सफेद लिबास के साथ अवचेतन में इतनी शुभ्रता, शुचिता, सुकून के अहसास जुड़े हैं कि सफेद के जन्मदिन की पार्टी- सफेद हर जगह शानदार लगता है, गरिमामय लगता है। सफेद लिबास के साथ एक और सुविधा है। आप कई तरह की एक्सेसरीज पहन सकते हैं। बहुत कम ऐसे मौसम होते हैं जिनका कोई प्रतिनिधि रंग हो, लेकिन गर्मी का अपना प्रतिनिधि रंग है, सफेद। इन दिनों भड़कीले या

गाउन में सजी कोई युवती पहली नजर में परियों-सी लगती है। हम जब भी खूबसूरती, मासूमियत और अलौकिकता की साझी कल्पना करते हैं तो दिलो-दिमाग में सफेद वस्त्रों में सजी परियां थिरक उठती हैं। बहरहाल, जिन देशों में मार्च के कदम रखते ही गर्मी भी दस्तक देने लगती है, वहां चिलचिलाती धूप और बेचैन करने वाली तपिश के दिनों में फैशन और सुकून का एक ही रंग दिखता है, सफेद।

- साल 2012 का प्रतिनिधि रंग कोई भी हो, दहलीज पर गर्मी के कदम पड़ते ही सफेद रंग की हुकूमत चारों तरफ दिखाई देने लगती है। यह महज संयोग नहीं है कि हर साल स्प्रिंग कलेक्शन यानी बसंत ऋतु में होने वाले फैशन सप्ताहों में सफेद रंग की बादशाहत दिखती है। गर्मियों में हल्का-फुल्का, ढीला-ढाला और कैजुअल कुछ भी पहन सकते हैं। चाहे बीच पार्टियां हों, चाहे किसी

बहुत धुंधले (डल) रंग न दिल को भाते हैं न आंखों को। सिर्फ अपने तन में ही नहीं, दूसरों पर भी इन दिनों सफेद रंग के कपड़े अच्छे लगते हैं।

- लड़कियों में सफेद कुर्ते, सफेद टॉप, सफेद गाउन कुछ इस तरह खिलते हैं, जैसे वाकई ये उजली-उजली परियां हों। एक फायदे की बात यह है कि आज सफेद रंग में हर तरह की एक्सेसरीज आसानी से मैच करती है।
- आप सफेद टॉप के साथ नीली जींस का क्लासिक कॉम्बिनेशन इस्तेमाल कर सकते हैं तो आमतौर पर काले को छोड़कर (...और वो भी इसलिए, क्योंकि काला रंग रोशनी को सोखता है, इसलिए इन दिनों बेचैन करता है) कोई भी रंग सफेद के साथ मैच कर जाता है यानी सफेद के साथ कॉम्बिनेशन बनाने में आपको कतई परेशान होने की जरूरत नहीं पड़ती है।
- इसकी रसायनिक विशिष्टता तो यह है कि यह आंखों का सुकून और दिल को ठंडक पहुंचाता है। यह हमारी तमाम उग्रता को ठंडा कर देता है।
- सफेद महज रंग नहीं है, यह पूरी संस्कृति है। यह एक पूरी सभ्यता है इसलिए सफेद रंग जितना चिलचिलाती गर्मी से सुकून देता है, वैसे ही बेचैन करने वाली भावनाओं के मामले में भी सुकून पहुंचाता है। यही कारण है कि दुनियाभर में बच्चों की मासूमियत को उभारने के लिए उन्हें उसके साथ जोड़कर देखने के लिए ज्यादातर स्कूलों की यूनीफॉर्म सफेद होती है।
- सफेद रंग शांति और शुद्धता का प्रतीक है। जब फिजा में आतिशी हवा के झोंके हों, कपड़े बेचैन करते हों, भला उस समय भड़कीले रंग किसे अच्छे लगते हैं यही वजह है कि पश्चिम से लेकर पूरब तक और उत्तर से लेकर दक्षिण तक गर्मियों में सफेद लिबास का जलवा दिखता है।
- डॉक्टर सफेद कोट पहनते हैं, क्योंकि वे यह बताना चाहते हैं कि यह रंग ईमानदारी, पवित्रता और ईश्वरीयता का प्रतिनिधि है।
- सफेद रंग के साथ कई फायदे हैं- भावनात्मक, कुदरती और सामाजिक भी। इसकी सामाजिकता में भी समरसता है। यही कारण है कि सफेद रंग सबको भाता है, सब पर फबता है चाहे सेलिब्रिटीज पहन लें या फिर कोई आम आदमी। सबको यह रंग आकर्षित करता और सब पर यह रंग आकर्षक लगता है। ऐसा नहीं है कि हम सफेद कपड़े कभी भी पहन सकते हैं।
- वाकई सफेद सदाबहार रंग है और इसके इतने विस्तृत आयाम हैं कि अगर आपने कई जोड़ी यानी जरूरत से ज्यादा भी इन दिनों सफेद कपड़े खरीद लिए हैं तो आपको सर्दियों के कपड़ों की तरह संदूक में साल के बाकी महीनों के लिए नहीं रखने पड़ेंगे। आप इन्हें लगातार पहन भी सकते/ सकती हैं। सफेद रंग के साथ आप अपनी चाहतों के सभी रंगों की एक्सेसरीज पहन सकती हैं। सफेद रंग कभी भी आउट ऑफ फैशन नहीं होता है। यह हमेशा खूबसूरत और ट्रेंडी लगता है।
- गर्मियों में सफेद टी-शर्ट और टॉप के जलवे देखते ही बनते हैं। मर्लिन मुनरो आज भी चेतन-अवचेतन में अगर किसी परी की तरह कैद हैं तो उसी सफेद ड्रेस में। गर्मियों में तमाम सेलिब्रिटीज सफेद रंग में ही नजर आते हैं तो आप क्यों न नजर आएं। इसलिए अगर सीजन की खरीदारी करने के लिए निकलना है तो अपनी सूची में सफेद कपड़ों के लिए जगह बना लीजिए, आखिर इन गर्मियों में परियों की तरह जो लगना है।

जब तक बच्चा स्कूल न जाए तब तो ठीक है, अगर वह रात में देर से भी सोता है तो सुबह देर तक सोकर अपनी नींद पूरी कर सकता है, लेकिन जब वह स्कूल जाने लगता है तो उसकी नींद पूरी नहीं हो पाती और वह चिड़चिड़ाने लगता है...।

कैसे शुरू करें बच्चों की
बेड टाइम ट्रेनिंग

आज की लाइफ स्टाइल पहले की लाइफ स्टाइल से बहुत अलग है। मोबाइल, टीवी, इंटरनेट ने हमारी जिंदगी में जितनी चीजें आसान बना दी है, उतना ही हम व्यस्त भी हो गए हैं। अगर आपके बच्चे का प्री-स्कूल जाने का समय आ गया है और उसका अभी भी रात में सोने का कोई निर्धारित समय नहीं है तो यह आपके लिए एक समस्या का कारण हो सकता है।

जब तक बच्चा स्कूल न जाए तब तो ठीक है। अगर वह रात में देर से भी सोता है तो सुबह देर तक सोकर अपनी नींद पूरी कर सकता है, लेकिन जब वह स्कूल जाने लगता है तो उसकी नींद पूरी नहीं हो पाती और वह चिड़चिड़ाने लगता है...।

नींद पूरी न होने से बच्चे के मस्तिष्क का पूरा विकास नहीं हो पाता। क्या आप अपने बच्चे के स्कूल की शुरुआत ऐसे करना चाहेंगे? इसलिए शुरू से उसे बेड टाइम ट्रेनिंग की आदत डालनी चाहिए।

यह ठीक उसी तरह है जिस तरह हमारी मां हमें सोने से पहले अपनी लोरियां सुनाती थीं। आइए जानें कुछ ऐसी बातें जिससे हम अपने बच्चे को ट्रेंड कर सकते हैं बेड टाइम ट्रेनिंग के लिए-

1. बेड टाइम ट्रेनिंग आप 4 से 5 माह के बच्चे के साथ कर सकते हैं। शुरुआत में आपको थोड़ी समस्या जरूर होगी लेकिन बाद में यह बहुत मददगार साबित होगी। बच्चे को सुलाने से पहले आप उनकी हल्की-हल्की मालिश कीजिए। गुनगुने पानी से उनका मुंह-हाथ धोएं (स्पंज करना)।
2. उनके कपड़े बदलकर उन्हें बेड के लिए तैयार करें। एक समय पर कमरे की लाइट्स बंद कर दें। ऐसा करके आप उन्हें सिग्नल दे रहे हैं और बेड टाइम के लिए तैयार कर रहे हैं।
3. बच्चों को कोई गाना, सॉफ्ट म्यूजिक सुनाएं। लाइट बंद करने से पहले आप बच्चों को पिक्चर बुक्स भी दिखा सकती हैं। ऐसा करने से बच्चों को बुक्स पढ़ने की आदत पड़ती है।
4. सोने से पहले भगवान का कोई सा मंत्र भी सुना सकती हैं। कुछ बच्चों को अपना मनपसंद खिलौना लेकर सोना भी अच्छा लगता है। बच्चों को सोने से पहले सॉफ्ट म्यूजिक सुनना बहुत अच्छा लगता है और उसे सुनने से उनके दिमाग का विकास भी होता है इसीलिए तो बरसों से चलता आ रहा लोरी का एक अपना ही महत्व है।
5. छोटे बच्चे (6 माह से 1 साल के बीच) रात में दूध के लिए जरूर उठते हैं। धीरे-धीरे उसका भी एक समय बनाते जाएं जिससे बच्चा और आप दोनों अच्छे से अपनी नींद पूरी कर सकें।
6. जैसे-जैसे बच्चा धीरे-धीरे बड़ा होता है, आप उसे बेड में जाने से पहले मुंह-हाथ धुलाकर ब्रश करना सिखाएं। कपड़े बदलकर उन्हें बेड के लिए तैयार करें। सोने से पहले उन्हें दूध जरूर दें। उन्हें उनका मनपसंद खिलौना दें।
7. उन्हें किताब से कहानी सुनाएं। शुरुआत में तो बच्चे को टाइम देना आवश्यक है, लेकिन धीरे-धीरे बच्चे को जब इस टाइम टेबल की आदत हो जाएगी तो आपके और बच्चे दोनों के लिए ही बहुत लाभदायक होगा।
8. शाम को उसे कोई हॉबी क्लास या बगीचे में घूमने के लिए ले जाएं जिससे बच्चा अपना समय टीवी और लैपटॉप में न देकर खेले-कूदे और थक जाए। ऐसा करने से उसे नींद अच्छी आएगी और जल्दी आएगी।

कोशिश करें कि धीरे-धीरे उसे अपने आप टाइम से बेड पर जाने की आदत हो जाए ताकि आप भी अपने आपको कुछ समय दे सकें।

ऐसे करें अपने बच्चे को प्री-स्कूल भेजने की तैयारी

अपने बच्चे को प्री-स्कूल या आंगनवाड़ी भेजना बहुत बड़ा कदम है और यह टेंशन भी पैदा करता है। यहां गाइड आपको बताएंगे कि आप क्या उमीद रखें, जब आप अपने बच्चे को पहली बार स्कूल लेकर जाएं।

1. अपने बच्चे से प्री-स्कूल या आंगनवाड़ी के बारे में बात करें, उन्हें समझाने की कोशिश करें कि आप उसे अपने से दूर नहीं भेज रही है। उनसे उनके व्यहवार के बारे में बात करें और मूल बातें सिखाएं।
2. स्कूल के पहले दिन के लिए क्या-क्या आवश्यक है, इस बारे में पता करें- जैसे पढ़ने का समय, नाश्ते का समय आदि ताकि आप उन्हें समझा सकें कि स्कूल से वे क्या उम्मीद रखें।
3. स्कूल की जरूरत की चीजें खरीदने में मजा लाए जैसे आपके बच्चे के पसंदीदा कार्टून की पेंसिल खरिदें, अपने बजट का ध्यान रखें।
4. एक रात पहले उनसे पूछे कि स्कूल को लेकर उनके मन में क्या सवाल है?
5. उन्हें स्कूल छोडने जाएं और जब स्कूल खत्म हो तब स्कूल के बाहर उनका इंतजार करें।
6. अपने बच्चे की टीचर से हर रोज बातचीत करते रहे, उनसे समय-समय पर मिलकर बच्चे के बारे में जानकारी लें। इससे आपके बच्चे को स्कूल में नई सफलता मिलने लगेंगी। पता करें कि आप ऐसा क्या कर सकती है, जिससे आपके बच्चे और उसकी टीचर को मदद मिले।
7. अपने बच्चे से रोज पूछे कि उसने स्कूल में क्या किया? आपके बच्चे को पता होना चाहिए की स्कूल कितना जरूरी है।

लगभग 96 प्रतिशत महिलाएं दिन में एक बार किसी-न-किसी बात पर अपराध बोध महसूस करती हैं। वो कौन-सी बातें हैं, जिनके लिए हम खुद को दोषी ठहराती हैं और क्या है इस अपराध बोध से निकलने का तरीका।

पछताना छोड़ें
खुश रहना सीखें

क्या दिन में कम-से-कम एक बार आप इस बात का अफसोस जताती हैं कि मेरा वजन जरूर बढ़ गया है या फिर आज फिर से घर की सफाई को अधूरा छोड़कर मैं ऑफिस आ गई। अगर इन सब सवालों का जवाब हां में है, तो घबराएं नहीं। अधिकांश महिलाओं का यह स्वभाव होता है। पर परेशानी की बात यह है कि हर चीज के लिए खुद को दोषी ठहराने की हमारी आदत धीरे-धीरे हमारे स्वास्थ्य के लिए खतरनाक साबित होती जाती है। हर बिगड़े हुए काम के लिए खुद को लगातार दोषी ठहराने की आपकी यह आदत आपको अवसाद के घेरे में भी ले सकती है। बेहतर तो यह होगा कि इन अवसादों से उबरने का तरीका आप सीख लें।

बच्चों के साथ वक्त नहीं बिता पाती

अधिकांश काम-काजी मां का यह मानना होता है कि वे ऑफिस की अपनी जिम्मेदारियों और बच्चों की जिम्मेदारी के बीच सही संतुलन नहीं बना पाई हैं। पर सवाल यह है कि ऑफिस में रहकर बच्चों को वक्त न दे पाने का अफसोस जताने से न तो बच्चों के साथ आप वक्त बिता पा रही हैं और न ही ऑफिस की जिम्मेदारियों को पूरा करने में आप अपना 100 प्रतिशत दे पाएंगी। इस समस्या का एकमात्र हल यह है कि आप जो भी काम वर्तमान में कर रही हैं, उसे अपना 100 प्रतिशत दें। अगर ऑफिस में हैं तो वहां की जिम्मेदारियां पूरी तन्मयता से पूरी करें और अगर घर पर हैं तो बच्चों को पूरा वक्त दें।

वजन कम ही नहीं कर पा रही

70 प्रतिशत से ज्यादा महिलाएं कभी-न-कभी डाइटिंग करती हैं, बावजूद इसके कि उन्हें वजन कम करने की जरूरत हो या नहीं। अगर आप वाकई स्लिम और खूबसूरत दिखना चाहती हैं तो इस दिशा में आपको गंभीर प्रयास करना होगा। नियमित एक्सरसाइज करें या फिर जिम जाने के लिए वक्त निकालें। साथ ही इस बात को स्वीकारें कि वजन कम करना या फिर बढ़ाना आप पर पूरी तरह से निर्भर करता है, इसलिए खुद को दोष देने की जगह इस दिशा में प्रयास करें।

शॉपिंग में कुछ ज्यादा ही पैसे खर्च कर दिए

हर महिला को शॉपिंग करने में मजा आता है, पर कई लोग ढेर सारे शॉपिंग बैग के साथ घर लौटने के बाद अपराध बोध से ग्रस्त हो जाते हैं। पर आपको यह समझना होगा कि जब परिवार के अन्य सदस्यों पर खर्च करने से आपको किसी तरह का अपराध बोध नहीं होता, तो फिर खुद पर खर्च करने के बाद पछतावा क्यों? दूसरी बात यह भी है कि अगर आप शॉपिंग के दौरान खरीदे गए सामानों पर गौर करेंगी, तो पाएंगी कि आप सिर्फ उन्हीं चीजों पर खर्च कर रही हैं, जिसकी आपको वाकई जरूरत है।

कभी टाइम पर नहीं पहुंच पाती

कभी-कभार, स्थिति ऐसी पैदा हो जाती है कि लाख कोशिशों के बावजूद हम वक्त पर नहीं पहुंच पाते हैं। कभी-कभी हमारी इमेज ही लेट-लतीफ वाली बन जाती है। इसका परिणाम यह होता है कि हम अपराधबोध से ग्रस्त हो जाती हैं। ऑटो या बस में बैठकर और जाम में घंटों फंसे रहकर इस बात का अफसोस करने से कोई फायदा नहीं है कि आप लेट पहुंचने वाली हैं। कभी-कभार अपनी गलती के बिना भी आप किसी मीटिंग में देर से पहुंच सकती हैं। ऐसी घटनाओं के लिए खुद को दोष देना बंद करें।

खुद के लिए वक्त नहीं मिलता

सुपर वुमेन बनने की चाहत या मजबूरी के चलते महिलाओं को अक्सर खुद के लिए ही वक्त नहीं मिलता। फिर धीरे-धीरे शुरू होता है इस बात का अफसोस कि अपनी मनपसंद किताब पढ़े सालों बीत गए या फिर पार्लर जाने के लिए वक्त ही नहीं मिलता। पर आपको इस बात को समझना होगा कि कभी-कभार कुछ ना करना भी जरूरी है ताकि आप शारीरिक और मानसिक रूप से ऊर्जावान बन सकें।

ब्राजील में बाढ़ से 75 लोगों की मौत, कई लापता

ब्राजीलिया। ब्राजील के दक्षिणी राज्य रियो ग्रांड डो सुल में भारी बारिश से आई बाढ़ में पिछले सात दिन में कम से कम 75 लोगों की मौत हो गई है और 103 लापता हैं। बाढ़ से सड़क और पुल भी ढह गए हैं। अधिकारियों के मुताबिक बाढ़ से हुई घटनाओं में कम से कम 155 लोग घायल हुए हैं, जबकि 88 हजार से ज्यादा लोग बेघर हो गए है। करीब 16 हजार लोगों ने स्कूलों, व्यायामशालाओं और अन्य जगहों पर शरण ली है। बाढ़ से राज्य में जगह-जगह भूस्खलन, सड़कें बहने और पुलों के ढह जाने की भी खबरें मिली हैं। बताया जा रहा है बाढ़ से आठ लाख से ज्यादा लोग बिना पानी के रहने को मजबूर हैं। गवर्नर एडुअर्डो लीते ने कहा कि मैं एक बार फिर दोहरा रहा हूं कि तबाही का यह मंजर बहुत ही खतरनाक है। इससे पहले उन्होंने कहा था कि राज्य को पुनर्निर्माण के लिए एक तरह के 'मार्शल प्लान' की जरूरत होगी।'' राष्ट्रपति लुइज इनासियो लुला डि सिल्वा ने दूसरी बार राज्य का दौरा किया।

ब्राजील की बाढ़ की ड्रोन से ली हुई तस्वीर, इस दौरान पोर्टो एलीग्रे से लोगों का निकाला गया।

जोस राउल मुलीनो का पनामा का राष्ट्रपति बनना तय!

पनामा सिटी,(ईएमएस)। पनामा के राष्ट्रपति चुनाव में पूर्व राष्ट्रपति रिकार्डो मार्टिनेली के स्थान पर आखिर वक्त में चुनाव मैदान उतारे गए जोस राउल मुलीनो का मध्य अमेरिकी देश पनामा का राष्ट्रपति बनना लगभग तय है। अधिकारियों ने रविवार रात तक 88 फीसदी मतों की गिनती के साथ अनौपचारिक नतीजों की घोषणा की। पूर्व सुरक्षा मंत्री मुलीनो (64) के पक्ष में 35 फीसदी वोट पड़े जिससे उन्हें अन्य उम्मीदवारों पर नौ अंकों की बढ़त हासिल हुई है। पनामा में जिस उम्मीदवार को सबसे ज्यादा वोट मिलते हैं वह चुनावों में विजेता घोषित होता है। तेजतर्रार पूर्व नेता मार्टिनेली को धनशोधन के मामले में दस साल की सजा सुनाए जाने के बाद उन्हें चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित कर दिया गया था जिसके बाद मुलीनो को राष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार बनाया गया। पनामा के इतिहास में अब तक के सर्वाधिक उथल-पुथल वाले चुनाव के बाद मुलीनो का देश का नया नेता बनना लगभग तय माना जा रहा है। उनके सामने अर्थव्यवस्था में मंदी, विस्थापन, पनामा नहर में परिवहन को बाधित कर रहा सूखा और पिछले साल बड़े पैमाने पर हुए खनन विरोधी प्रदर्शनों के बाद आर्थिक परिणामों की चुनौती होगी।

महिला सांसद को नशीली दवा पिलाकर किया यौन उत्पीड़न

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया की महिला सांसद ने आरोप लगाया है कि नाइट आउट के दौरान पहले उसे कुछ नशीला पदार्थ पिलाया गया। इसके बाद उसका यौन उत्पीड़न किया गया। क्वींसलैंड लेबर पार्टी की सांसद ब्रिटनी लाउगा ने कहा कि मध्य क्वींसलैंड शहर येपून में जब वह नाइट आउट के लिए निकली थी, उसी दौरान यह हादसा उनके साथ हुआ है। उन्होंने सुबह-सुबह पुलस में इसकी शिकायत कराई है। अस्पताल में टेस्ट के दौरान मेरे शरीर में ऐसी दवाइयों की पुष्टि हुई है, जिसका कि मैंने सेवन नहीं किया था। सांसद ने कहा कि उनके द्वारा अपनी आपबीती साझा करने के बाद शहर की कई महिलाएं उनके पास पहुंची, जिन्होंने ऐसी घटनाओं का सामना किया था। उन्होंने कहा, यह किसी के साथ भी हो सकता था। हम में से कई लोगों के साथ होता है। यह ठीक नहीं है। हमें नशे या हमले के जोखिम के बिना अपने शहर में सामाजिक मेलजोल का आनंद लेने में सक्षम होना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, मेरे समर्थन में आगे आने वाले सभी लोगों को धन्यवाद देती हूं। मैं वास्तव में आपके विचारशील संदेशों को महत्व देती हूं। यदि आपके पास कोई जानकारी है जो जांच में सहायता कर सकती है, तो कृपया पुलिस को बताएं।

स्कूली छात्रों के पास वो सूची मिली जिसमें लिखा था ये लड़कियां रेप के लायक नहीं

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न स्थित एक बड़े स्कूल में स्कूली छात्रों की बनाई लिस्ट से हंगामा मच गया है। खबर है कि लिस्ट में छात्राओं के नाम शामिल किए गए थे और उन्हें बलात्कार नहीं करने लायक या क्यूटी जैसे अपमानजनक वर्गों में बांटा गया था। शीट के सामने आने के बाद से ही खलबली है। स्कूल प्रशासन ने पैरेंट्स के साथ आपातकाल बैठक भी की है। स्प्रेडशीट सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म डिसकॉर्ड पर वायरल हो गई थी। इसके बाद से ही विवाद ने तूल पकड़ लिया था। कहा जा रहा है कि लिस्ट को 11 छात्रों ने मिलकर तैयार किया था। खबर लगते ही स्कूल में बैठक हुई लिस्ट में शामिल छात्रों के पैरेंट्स को बुलाया गया। बैठक में स्कूल के प्रिंसिपल डॉक्टर मार्क मैरी भी शामिल हुए। रिपोर्ट के अनुसार बातचीत में डॉक्टर मैरी ने कहा, मेरी पहली प्रतिक्रिया थी कि ये बहुत डरावना है कि ऐसी क्रूर चीज भी की जा सकती है और हमारे किसी भी छात्र के प्रति ऐसा अपमानजनक रवैया रखा जा सकता है। उन्होंने कहा, मेरी प्राथमिकता युवतियों को लेकर है, जिन्हें निशाना बनाया गया है। यह मेरी पहली चिंता है। साथ ही मुझे उन लोगों को भी जिम्मेदार ठहराना है, जिन्होंने ये किया है। ऑस्ट्रेलियाई वेबसाइट के अनुसार, यारा वैली ग्रामर के चार छात्रों के सस्पेंड किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, एक स्प्रेडशीट सामने आने के बाद यह फैसला लिया गया है। लिस्ट में छात्राओं को अपमानजनक तरीके से शामिल किय गया था। खबर है कि छात्राओं के नामों को वाइफ़ीज, क्यूटीज और बलात्कार नहीं करने लायक जैसे लिस्ट में लिखा गया था।

अंतरिक्ष यात्रियों को दी जाएगी 'मौत की दीवार' पर ट्रेनिंग, चंद्रमा पर एस्ट्रोनॉट रह सकेंगे सेहतमंद

वॉशिंगटन। चंद्रमा पर जाने वाले अंतरिक्ष यात्रियों को 'मौत की दीवार' पर ट्रेनिंग दी जाएगी जो उन्हें कमजोर स्थिति में चंद्रमा पर जाने से रोकेगी। आपने मेले में ऐसा 'कुआं' देखा होगा जो एक बड़ी बेलनाकार संचरना होती है जिसमें गोल खड़ी दीवार पर मोटरसाइकल या कार चलाई जाती हैं। इसी दीवार को मौत की दीवार कहते हैं। मालूम हो कि चंद्रमा की सतह पर लंबे समय तक समय बिताने वाले अंतरिक्ष यात्रियों को फिट और स्वस्थ रहने के लिए अतिरिक्त तकनीक की आवश्यकता होगी। ऐसा करने का एक तरीका अंतरिक्ष यात्रियों को गतिशील रखने के लिए एक विशाल दीवार की संरचना करना है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि इस दुनिया से बाहर जाने वाले खोजकर्ता ज्यादा कमजोर न हो जाएं, इस संरचना का उपयोग अंतरिक्ष यात्रियों की फिटनेस को बनाए रखने के लिए किया जाएगा क्योंकि वे कभी न खत्म होने वाली दीवार के साथ दौड़ेंगे। मिलान विश्वविद्यालय में फिजियोलॉजी के प्रोफेसर अल्बर्टो मिनेटी हैरान हैं कि अंतरिक्ष यात्री टीमों ने अभी तक चंद्रमा पर शारीरिक गतिविधि बनाए रखने की योजना पर विचार नहीं किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें हैरत है कि पहले किसी को यह विचार नहीं आया था। यह चंद्रमा पर प्रशिक्षण का एक सुविधाजनक तरीका हो सकता है। दीवार का मतलब है कि पृथ्वी पर वापस आने वाले वैज्ञानिक एक आदर्श अंतरिक्ष यान पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं, जिसमें अंतरिक्ष यात्रियों को फिट रखने के लिए लगातार चलती दीवार की आवश्यकता नहीं होती है। पृथ्वी पर वॉल ऑफ डेथ के परीक्षणों से पता चला है कि उपकरण का उपयोग करते समय अंतरिक्ष यात्रियों को सीधा रहने के लिए संघर्ष करना पड़ता है, लेकिन कम गुरुत्वाकर्षण में उन्हें 8 मील प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ते हुए देखना चाहिए और गिरने का खतरा नहीं होना चाहिए। अंतरिक्ष यात्रियों को स्वस्थ स्थिति में रखने के लिए 'कृत्रिम गुरुत्वाकर्षण' का उपयोग करने का मतलब होगा कि चंद्रमा स्थित नासा के सदस्यों की हड्डियां स्वस्थ होंगी और मांसपेशियों की ताकत बनी रहेगी। साउथेम्प्टन विश्वविद्यालय में न्यूरोमस्कुलोस्केलेटल पुनर्वास की प्रोफेसर मारिया स्टोक्स ने मौत की दीवार के उपयोग के फायदों की पुष्टि की।

नागप्पट्टिनम और कांकेसंथुराई के बीच नौका सेवा 13 मई से फिर होगी शुरु

कोलंबो। भारत में तमिलनाडु के नागप्पट्टिनम और श्रीलंका के उत्तरी प्रांत जाफना जिले के कांकेसंथुराई (केकेएस) शहर के बीच यात्रियों के लिए नौका सेवा 13 मई से फिर से शुरू होगी है। भारतीय उच्चायोग ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। लगभग 40 वर्षों के बाद पिछले साल अक्टूबर में शुरू की गई यह सेवा खराब मौसम के कारण कुछ दिनों बाद ही बंद कर दी गई थी। उच्चायोग ने कहा, ''जुलाई 2023 में श्रीलंका के राष्ट्रपति की भारत यात्रा के दौरान संयुक्त रूप से अपनाए गए आर्थिक साझेदारी के दृष्टिकोण में भारत और श्रीलंका के बीच समुद्री संपर्क को मजबूत करना एक महत्वपूर्ण हिस्सा था। नौका सेवा की बहाली भारत सरकार की जनकेंद्रित नीतियों की पुष्टि करती है।''

पड़ोसी देश श्रीलंका के साथ भारत की भविष्य की योजनाओं में बिजली ग्रिड को आपस में जोड़ना, बहुउद्देशीय पाइपलाइन और भू-संपर्क के लिए आर्थिक गलियारा स्थापित करना शामिल हैं। भारत ने कांकेसंथुराई बंदरगाह के पुनर्वास के लिए श्रीलंका को 6.36 करोड़ अमेरिकी डॉलर की अनुदान सहायता भी बढ़ा दी है। श्रीलंका के कांकेसंथुराई (केकेएस) बंदरगाह करीब 16 एकड़ में फैला हुआ है और यह पुदुचेरी के कराईकल बंदरगाह से 104 किलोमीटर दूर है।

गाजा विरोध प्रदर्शन के कारण ग्रेजुएशन सेरेमनी किया रद्द, कोलंबिया यूनिवर्सिटी ने लिया फैसला

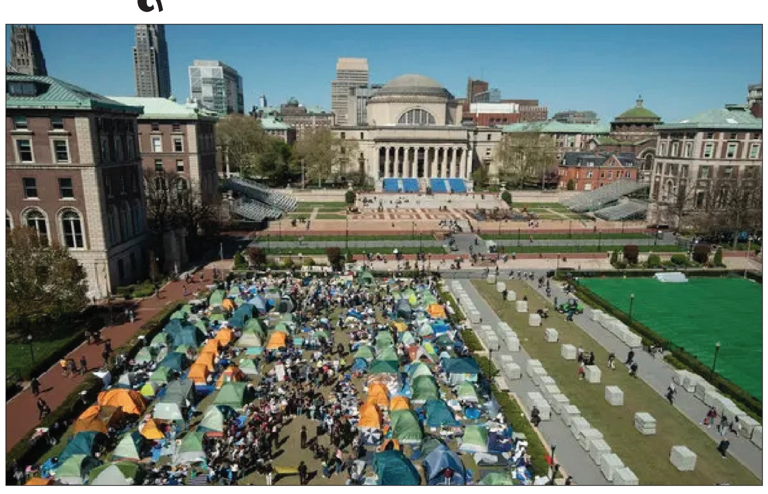

(एजेंसी)। कोलंबिया विश्वविद्यालय ने सोमवार को फिलिस्तीन समर्थक विरोध प्रदर्शनों के बाद छोटे, स्कूल-आधारित कार्यक्रमों के पक्ष में अपने विश्वविद्यालय-व्यापी स्नातक समारोह को रद्द कर दिया, जिसने विश्वविद्यालय परिसर को हिलाकर रख दिया है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, 15 मई को होने वाला ग्रेजुएशन समारोह फ़िलिस्तीनी समर्थक विरोध प्रदर्शन के कारण रद्द कर दिया गया है। कोलंबिया यूनिवर्सिटी ने एक बयान में कहा, ÷हमने अपनी प्रारंभिक गतिविधियों का केंद्रबिंदु अपने कक्षा दिवसों और स्कूल-स्तरीय समारोहों को बनाने का फैसला किया है, जहां छात्रों को 15 मई को होने वाले विश्वविद्यालय-व्यापी समारोह के बजाय उनके साथियों के साथ व्यक्तिगत रूप से सम्मानित किया जाता है।

विश्वविद्यालय ने कहा कि उसने स्नातक स्तर की पढ़ाई को कैसे संभालना है, यह तय करने के लिए छात्र नेताओं से परामर्श किया था। अधिकांश समारोह, जो मॉर्निंगसाइड हाइट्स परिसर में होने वाले थे, जहां अधिकांश विरोध प्रदर्शन हुए हैं, उन्हें विश्वविद्यालय के मुख्य एथलेटिक परिसर में ले जाया जाएगा। कोलंबिया विश्वविद्यालय में फिलिस्तीन समर्थक विरोध प्रदर्शन कुछ दिनों से चल रहा है और अमेरिका भर के दर्जनों अन्य विश्वविद्यालयों में भी इसी तरह के प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। प्रदर्शनकारी, अपनी ओर से गाजा में स्थायी युद्धविराम, इज़राइल के लिए अमेरिकी सैन्य सहायता को समाप्त करने और इज़राइल की घुसपैठ से लाभ कमाने वाली कंपनियों से विश्वविद्यालय विनिवेश की मांग कर रहे हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में न्यूयॉर्क पुलिस ने चोरी और अतिक्रमण के आरोप में कई लोगों को गिरफ्तार किया, जिनमें कम से कम 30 छात्र, पूर्व छात्र और कोलंबिया के कर्मचारी शामिल थे, जिन्होंने व्यापक ध्यान आकर्षित करने वाले विरोध शिविरों को नष्ट कर दिया। गौरतलब है कि हमास ने पिछले साल 7 अक्टूबर को सीमा पार हमले का नेतृत्व किया था, जिसमें लगभग 1,200 लोग मारे गए थे और 250 अन्य को बंधक बना लिया था।

शहबाज सरकार में फिर विदेश मंत्री बनेंगे बिलावल भुट्टो-जरदारी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो-जरदारी के एक और कार्यकाल के लिए वापसी की संभावना है क्योंकि उनकी पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी और पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज (पीएमएल-एन) सत्ता-साझाकरण समझौते को अंतिम रूप देने के करीब थे। रिपोर्ट में बताया गया कि अगर अंदरूनी सूत्रों पर विश्वास करते तब बिलावल विदेश मंत्री के रूप में शहबाज शरीफ की कैबिनेट में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में उनकी बातचीत के दौरान पार्टी के दिग्गजों के बीच सहमति बनी है।

उन्होंने दावा किया कि बिलावल, जो शुरू में कैबिनेट में शामिल होने के लिए तैयार नहीं थे, फिर विदेश मंत्री बनने के लिए सहमत हो गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि दोनों पक्ष अब पीपीपी के औपचारिक रूप से कैबिनेट में शामिल होने के विवरण और समय पर काम कर रहे हैं। सूत्रों का हवाला देकर कहा गया कि शहबाज चाहते हैं कि पीपीपी जून के पहले सप्ताह में पेश हो रहे अगले बजट से पहले कैबिनेट में शामिल हो। हालाँकि, यह साफ नहीं है कि पीपीपी बजट से पहले कैबिनेट में शामिल होगी या बाद में। सूत्रों के मुताबिक एक बात तय है। पीपीपी जून में कैबिनेट का हिस्सा होगी।

मौजूदा विदेश मंत्री इशाक डार को बिलावल को शीर्ष राजनयिक बनने की अनुमति देने के लिए उप प्रधान मंत्री के रूप में नियुक्त किया था। सूत्रों ने कहा कि डार का कार्यालय पीएमओ में स्थापित हो रहा है और बिलावल के लिए विदेश कार्यालय खाली करने के बाद वह वहीं से काम करने वाले है। सूत्रों के मुताबिक, डार कभी भी विदेश मंत्री के रूप में सहज नहीं रहे, क्योंकि वह हमेशा अपने पसंदीदा वित्त मंत्रालय को देखना चाहते थे। लेकिन शहबाज़ और पीएमएल-एन के अन्य लोग उन्हें दूर रखना चाहते थे। फिर भी, वह प्रधान मंत्री को उन्हें अपना डिप्टी नियुक्त करने के लिए मनाने में कामयाब रहे।

दक्षिण लेबनान में इजराइल ने दांगी मिसाइलें, चार नागरिकों की मौत

अल जबल, । इजराइल-हमास युद्ध के बीच दक्षिण लेबनान के माएस अल जबल शहर में रविवार को इजराइली हवाई हमले में चार नागरिकों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। एजेंसी ने बताया कि जब माएस अल जबल के लोग पिछले इजराइली हमले में अपनी दुकानों और घरों में हुए नुकसान का जायजा ले रहे थे तो उसी दौरान इजराइल ने फिर हवाई हमला कर दिया। इजराइली सेना ने कहा कि उसके लड़ाकू विमान ने हिजबुल्लाह के कब्जे वाले दक्षिणी लेबनानी शहर में सैन्य बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया है।

हिजबुल्लाह ने रविवार को दावा किया कि उसने लेबनान-इजराइल सीमा के पास इजराइली सैन्य ठिकानों को निशाना बनाते हुए कम से कम 10 हमले किए, जबकि इजराइली सेना ने कहा कि उस पर लगभग 40 मिसाइले दागी गईं, हालांकि इसमें किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

इजराइल ने अल-जजीरा को हमास का मुखपत्र बताकर देश छोड़ने को कहा

तेलअवीव (एजेंसी)। इजराइल ने कतर के स्वामित्व वाले प्रसारक 'अल जजीरा' के देश में स्थित कार्यालयों को बंद करने का आदेश दिया। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार ने आदेश उस वक्त दिया है, जब कतर गाजा में युद्ध को लेकर इजराइल और हमास के बीच संघर्ष विराम समझौते में मदद कर रहा है। इजराइल के आदेश के तहत प्रसारण उपकरणों को जब्त किया जाएगा, चैनल की रिपोर्ट के प्रसारण को रोका जाएगा और उसकी वेबसाइट को अवरुद्ध किया जाएगा। माना जाता है कि यह पहली बार है जब इजराइल ने किसी विदेशी समाचार संस्थान के कामकाज को रोक दिया है।

'अल जजीरा' हमास के इजराइल पर हमले के बाद से लगातार युद्ध की खबरें प्रसारित करता रहा है। युद्ध में हताहतों की जमीनी रिपोर्टिंग सहित, अल जजीरा' की अरबी शाखा अक्सर हमास और क्षेत्र के अन्य आतंकवादी समूहों के वीडियो बयान जारी करती है, इसकी नेतन्याहू सरकार ने काफी आलोचना की है। नेतन्याहू ने कहा, अल जजीरा के पत्रकारों ने इजराइल की सुरक्षा को नुकसान पहुंचाया और सैनिकों के खिलाफ भड़काया। अब हमारे देश से हमास के मुखपत्र को बाहर करने का समय आ गया है।''

'उधर अल जजीरा' ने कहा कि वह ''अपने अधिकारों और पत्रकारों, साथ ही जनता के सूचना के अधिकार की रक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय कानूनी संस्थाओं के माध्यम से सभी उपलब्ध कानूनी उपाय का सहारा लेगा। अल जजीरा' ने कहा, इजराइल द्वारा स्वतंत्र प्रेस का लगातार दमन, अंतरराष्ट्रीय और मानवीय कानून का उल्लंघन है।

फ्रांस ने यूक्रेन में भेजी अपनी सेना, यूरोप में बड़ी जंग का खतरा!

– इसका उद्देश्य डोनबास में रूस को रोकने में यूक्रेन की मदद करना

पेरिस (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन और इजराइल-हमास युद्ध के बीच अब फ्रांस ने ऐसा कदम उठाया है, जो यूरोप में बड़ी जंग को दावत दे सकता है। फ्रांस ने आधिकारिक तौर पर यूक्रेन में अपनी सेना भेजी है। फ्रांसीसी सैनिकों को यूक्रेन की 54वीं स्वतंत्र मैकेनाइज्ड ब्रिगेड के समर्थन में तैनात किया गया है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, फ्रांस ने यूक्रेन में 1500 विदेशी सैनिकों को भेजने का फैसला किया है। फिलहाल, फ्रांसीसी सैनिकों के प्रारंभिक समूह में करीब 100 सैनिकों की टुकड़ी को यूक्रेन भेजा है। ये तैनाती ऐसे समय में की गई है, जब रूस ने यूक्रेन में अपना अभियान तेज कर दिया है। इन सैनिकों का उद्देश्य डोनबास में रूस को रोकने में यूक्रेन की मदद करना है। फ्रांसीसी टुकड़ी में तोपखाने के विशेषज्ञ हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि फ्रांस ने जिन सैनिकों को यूक्रेन भेजा है वे तीसरी इन्फैंट्री रेजिमेंट से हैं। जो फ्रांस की मुख्य टुकड़ी है। फ्रांस की विदेशी सेना में बड़ी संख्या में यूक्रेनियन और रूसी शामिल हैं। फ्रांस की इस विदेशी सेना को कमांड फ्रांसीसी अधिकारी करते हैं, लेकिन इसमें तैनात सभी अधिकारी और कर्मचारी विदेशी हैं। इसमें सैनिकों को गुमनाम होने की छूट भी होती है। इसमें काम करने वाले सैनिक तीन साल की अवधि के लिए सेवा करते हैं, जिसके बाद वे फ्रांसीसी नागरिकता की मांग कर सकते हैं। अगर कोई सैनिक घायल हो जाता है तो वह बिना किसी प्रतीक्षा अवधि के फ्रांसीसी नागरिकता का हकदार होता है। विदेशी सेना में कोई भी महिला नहीं है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों पिछले कई महीनों से यूक्रेन में फ्रांसीसी सेना को भेजने की धमकी दे रहे थे। हालांकि, उन्हें नाटो देशों से इस बारे में समर्थन नहीं मिला है। ये भी कहा जाता है कि अमेरिका नाटो सैनिकों को यूक्रेन में भेजे जाने का विरोध करता है। इस बीच फ्रांसीसी सैनिको के यूक्रेन भेजने के बाद ये सवाल खड़ा हो गया है कि क्या यूक्रेन में फ्रांस ने लाल रेखा को पार कर दिया है। रूस के राष्ट्रपति पुतिन लगातार ये धमकी देते रहे हैं कि अगर नाटो की सेनाएं यूक्रेन में घुसती हैं तो इसे सीधे तौर पर युद्ध माना जाएगा। रूसी राष्ट्रपति पुतिन परमाणु ताकत के इस्तेमाल की धमकी भी देते रहे हैं। माना जा रहा है कि विदेशी सैनिकों को भेजकर फ्रांस ने एक बचाव भी अपने पास रखा है। वह कह सकता है कि भेजे गए लोग फ्रांसीसी नागरिक नहीं हैं। इस फैसले से मैक्रां को यूक्रेन में विदेशी सेना भेजने पर अधिक घरेलू विरोध का सामना नहीं करना पड़ेगा और सख्त फैसले लेने वाले व्यक्ति की छवि का भी निर्माण करेगा।

लैटिन अमेरिका में डेंगू फैला, हजारों की मौत, 60 लाख लोग प्रभावित

– कई देशों में इमरजेंसी लागू, सेना ने संभाला मोर्चा

पेरु (एजेंसी)। लैटिन अमेरिका और कैरेबियाई देशों में जनवरी से अप्रैल के बीच डेंगू के 60 लाख मामले सामने आ चुके हैं। डेंगू ने यहां तबाही मचा रखी है। माना जा रहा है कि अभी पीक सीजन आना बाकी है। आने वाले महीनों में हालत और भी खराब हो सकते हैं। ब्राज़ील ऐसा देश है, जो सबसे ज्यादा डेंगू की चपेट में है। यहां अब तक जनवरी से अप्रैल के बीच 42 लाख मामले सामने आ चुके हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ब्राजील के 26 राज्यों में से ज्यादातर में इमरजेंसी लागू कर दी गई है। सेना ने मोर्चा संभाल लिया है और जगह-जगह फील्ड हॉस्पिटल बना रही है, ताकि मरीजों का इलाज किया जा सके। आलम यह है कि मच्छरों से बचाने वाली दवाएं, मॉस्किटो क्वाइल जैसी चीजें स्टॉक खत्म हो चुका है। ब्राजील की हेल्थ मिनिस्ट्री के मुताबिक देश की 1.8 फ़ीसदी आबादी डेंगू की चपेट में है। अब तक 2000 से ज्यादा मौतें हो चुकी है, जो किसी एक साल में डेंगू से मरने वालों की सबसे ज्यादा है।

लैटिन अमेरिकी देश पेरू और पुएटरोरियो भी डेंगू से जंग लड़ रहे हैं और यहां भी इमरजेंसी लागू है। पेरू में जनवरी से अब तक 1,35,000 मरीज सामने आ चुके हैं जबकि 117 की मौत हो चुकी है। अर्जेंटीना में भी डेंगू बहुत तेजी से बढ़ रहे है। मेक्सिको, उरुग्वे, चिली जैसे देश भी डेंगू की मार झेल रहे हैं। जानकारो का कहना है कि पिछले 30 सालों में लैटिन अमेरिकी क्षेत्र का तापमान हर दशक में 0.2 डिग्री सेल्सियस बढ़ता गया, इससे मच्छरों को प्रजनन का अनुकूल माहौल मिला और उनकी तादाद बहुत तेजी से बढ़ती गई। मच्छरों की अधिकांश प्रजातियां गर्म तापमान में पनपती हैं और ग्लोबल वार्मिंग के चलते गर्म इलाके बढ़े हैं जिसमें लैटिन अमेरिका और कैरेबियन भी शामिल हैं।

लैटिन अमेरिका और कैरेबियन देशों में 2023 में अल नीनो की शुरुआत के साथ स्थिति और खराब हो गई। भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में सतह के पानी में असामान्य वृद्धि हुई, जिससे पूरे क्षेत्र में तापमान बढ़ गया। इससे मच्छरों की आबादी और बढ़ गई। लैटिन अमेरिका और कैरेबियन देशों में तेजी से हो रहा शहरीकरण, डेंगू फैलने का एक और कारण है।

लैटिन अमेरिका और कैरेबियन में जिस तरीके से डेंगू ने कहर बरपाया है, ऐसी स्थिति में डेंगू के टीके की जरुरत पहले से कहीं अधिक महसूस की जा रही है। हालांकि, कई फैक्टर हैं जो इसकी राह में रोड़ा हैं। डेंगू, मादा मच्छरों के काटने से फैलता है और इस वायरस के कुल

चार प्रकार के होते हैं। विशेषज्ञ कहते हैं कि यदि कोई टीका आपको एक वायरस से बचाता है, तो अन्य प्रकार के वायरस का खतरा बढ़ जाता है। सबसे बड़ी चुनौती एक ऐसी वैक्सीन विकसित करना है जो डेंगू के सभी प्रकार के स्ट्रेन के खिलाफ काम करे। वैज्ञानिकों ने ऐसे टीके बनाए हैं जो चारों प्रकार के स्ट्रेन से रक्षा करता है लेकिन ये बहुत महंगे हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)